सुविचार
परेशानी जिंदगी का हिस्सा है, अगर ये नहीं आयेंगी तो इंसान निखरेगा कैसे, क्योंकि ये परेशानियां ही तो हैं जो इंसान को जिंदगी जीने का सही मतलब समझाती हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

08
फलक नाज बिग बॉस ओटीटी 2 के घर की ...

Ranchi ● Saturday, 24 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 158 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	62,979.37
निफ्टी	:	18,665.50

SARAFA

सोना	:	5,585
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पूजा सिंघल के पति अभिषेक की अग्रिम बेल पर 5 जुलाई को सुनवाई

RANCHI/DELHI : भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग केस में निलंबित और जेल में बंद आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा को सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को राहत नहीं मिल पायी. दरअसल निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था. लेकिन सुनवाई टल गई है. फिलहाल अभी सुप्रीम कोर्ट से अभिषेक झा को राहत नहीं मिली. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 5 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. बता दें कि हाईकोर्ट ने भी अभिषेक झा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है.

दिनेश गोप से भी हुई है करोड़ों की ठगी

RANCHI : जिस दिनेश गोप के नाम से झारखंड के कई जिलों में खौफ था, उससे अब तक तीन बार ठगी हो चुकी है. दिनेश गोप की गिरफ्तारी के बाद उसके साथ हुई ठगी के किस्से सामने आ रहे हैं. दिनेश गोप से पहली बार उसके करीबी लोगों ने ही ठगी की थी, धुर्वा के रहने वाले युवकों ने दिनेश गोप को खिलौने वाले हथियार दिखाकर उससे ठगी की थी, जांच में यह बात सामने आई थी कि धुर्वा के निवेश कुमार ने ढछत्रक्क को विदेशी हथियार दिलाने के नाम पर लाखों रुपए ठगे. उसने वीडियो कॉल के माध्यम से दिनेश गोप को नकली विदेशी हथियारों की तस्वीर दिखाई थी, उसे यह कहकर पैसे ठगे थे कि उसके पास अत्याधुनिक हथियार हैं. दूसरी बार दिनेश गोप से एक बड़े राजनेता से मिलवाने के नाम पर करीब 2 करोड़ रुपए की ठगी की गई. रांची के रहने वाले एक व्यक्ति ने दिनेश गोप से पैसे लेने के बाद दिल्ली ले जाकर उसे एक केंद्रीय स्तर के नेता से मिलवाने का भरोसा दिलाया था। जिसके बाद से दिनेश गोप राजनीति में एंट्री की प्लानिंग करने लगा, लेकिन उसकी पूरी प्लानिंग धरी की धरी रह गई. दिनेश गोप की गिरफ्तारी के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि हजारीबाग के एक वकील ने उससे करीब 20 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी कर ली है. हजारीबाग के वकील ने रांची के एक वकील से दिनेश गोप का केस लड़वाने के एवज में पैसे लिए।

पटना में मोदी के खिलाफ विपक्ष का शंखनाद

भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प, अगली बैठक होगी शिमला में

AGENCY PATNA :
विपक्ष के एक दर्जन से अधिक राजनीतिक दलों ने अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एकजुट होकर चुनाव लड़ने का शुक्रवार को संकल्प लिया। विपक्षी दलों की अगली बैठक जुलाई में शिमला में होगी, जहां साझा एजेंडा तय करने के साथ ही राज्यवार रणनीति पर फैसला होगा।

दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी (आप) ने विपक्षी एकजुटता की इस पूरी कवायद पर यह कहकर एक तरह का प्रश्नचिह्न भी लगा दिया कि दिल्ली से संबंधित केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस के अपना रुख स्पष्ट करने तक वह उसकी मौजूदगी वाली किसी भी विपक्षी बैठक में शामिल नहीं होगी। आप ने कहा कि कांग्रेस को यह तय करना होगा कि वह दिल्ली के लोगों के साथ है या फिर मोदी सरकार के साथ खड़ी है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मेजबानी में यह बैठक मुख्यमंत्री के आवास 1 अणे मार्ग पर हुई, जिसमें एक दर्जन से अधिक दलों के करीब 30 विपक्षी नेताओं ने

पटना में विपक्षी दलों की बैठक में शामिल सीएम नीतीश कुमार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सीएम ममता बनर्जी, पूर्व सीएम लालू यादव व अन्य।

बैठक में शामिल सीएम हेमंत सोरेन व उत्तरप्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव।

भाग लिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बैठक में कुल कितने दल शामिल थे। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी और उमर अब्दुल्ला ने बैठक में शामिल होने वाले दलों की संख्या 17 बताई, हालांकि बैठक के संदर्भ में पार्टियों की जो सूची उपलब्ध कराई गई थी, उसमें 15 दलों के नाम थे। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने बैठक में भाग लिया।

द्रमुक नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी और कुछ अन्य नेता भी इस बैठक में शामिल हुए। करीब चार घंटे तक चली मैराथन बैठक के बाद विपक्षी नेता मीडिया से मुखातिब हुए, लेकिन आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल संवाददाता सम्मेलन में नहीं पहुंचे। केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा बैठक के तत्काल बाद पटना से दिल्ली रवाना हो गए।

विपक्षी दलों की बैठक के बाद नीतीश कुमार ने विपक्षी नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, काफी अच्छी मुलाकात हुई...एक साथ चुनाव लड़ने और सब तरह की सहमति हो गई है। एक बैठक और होगी। एक बैठक हो जाएगी, तो उसमें सारी चीजें अंतिम रूप ले लेंगी।

उन्होंने कहा, सब लोग मिलकर चलेंगे, यह देश के हित में है। जो लोग अभी शासन में हैं, वे देश के हित में काम नहीं कर रहे हैं। वे देश का इतिहास बदल रहे हैं। कुमार ने दिल्ली से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, अगर किसी राज्य के बारे में कोई चुनौती आती है, तो सब साथ रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगली बैठक जुलाई महीने में हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में होगी।

उन्होंने कहा, सभी नेतागण एक होकर चुनाव लड़ने का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। हम सभी जल्द ही शिमला में मिलेंगे, जहां आगे के लिए निर्णय लिया जाएगा। हम एकजुट होकर 2024 की लड़ाई लड़ेंगे और भाजपा को सत्ता से हटाकर लोकतंत्र की रक्षा करेंगे।उन्होंने कहा कि हर राज्य के लिए अलग-अलग रणनीति बनाएंगे, क्योंकि एक ही रणनीति हर जगह काम नहीं करेगी।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, यह विचारधारा की लड़ाई है, हम एक साथ खड़े हैं, हमारे बीच थोड़े-बहुत मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हमें मिलकर काम करना है।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा, ह्यह्यहम एक हैं, हम मिलकर लड़ेंगे। अगले महीने बैठक होगी।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एम के स्टालिन ने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री पद के साझा उम्मीदवार को लेकर फैसला नहीं हुआ, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए सभी लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट करने का संकल्प लिया गया है।.नेशनल कॉन्फ्रेस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई है।.

उन्होंने कहा, मैं और महबूबा साहिबा मुल्क के उस बदनसीब इलाके से ताल्लुक रखते हैं, जहां लोकतंत्र का दिनदहाड़े कत्ल किया जा रहा है।विपक्षी दलों की बैठक के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम गांधी के मुल्क को ह्यगोडसे का मुल्क नहीं बनने देंगे।

अध्यादेश पर अपना रुख साफ करे कांग्रेस : आप

AGENCY PATNA :
बिहार की राजधानी पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दलों का महाजुटान हुआ है। विपक्षी एकता वाले इस बैठक में कुल 15 दल शामिल हुए। बैठक में आम आदमी पार्टी (आप) के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल भी पहुंचे। बैठक खत्म होने के बाद केजरीवाल की पार्टी ने एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि केंद्र सरकार के काले अध्यादेश को हराना बहुत जरूरी है। पटना की बैठक में शामिल 15 दलों में से 12 का प्रतिनिधित्व

राज्यसभा में है। कांग्रेस को छोड़कर सभी 11 दलों ने केंद्र के अध्यादेश को लेकर आप का समर्थन किया है। सभी 11 दलों ने यह कहा है कि वे राज्यसभा में इस अध्यादेश का विरोध करेंगे।

आप ने जारी बयान में कहा, 'केंद्र के अध्यादेश का उद्देश्य केवल दिल्ली सरकार के लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनना नहीं है बल्कि यह भारत के लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है। इस अध्यादेश के खिलाफ अगर नहीं खड़ा हुआ गया तो यह और भी राज्यों में लागू किया जा सकता है।' कांग्रेस का समर्थन अभी तक नहीं मिलने पर आप ने आगे कहा, 'कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। कांग्रेस सभी मुद्दों पर एक स्टैंड लेती है लेकिन अभी तक कांग्रेस ने काले अध्यादेश पर अपना रुख सार्वजनिक नहीं किया है। कांग्रेस की दिल्ली और पंजाब इकाइयों ने घोषणा की है कि पार्टी को इस मुद्दे पर मोदी सरकार का समर्थन करना चाहिए।' गौरतलब है आप सूत्रों के हवाले से यह कहा गया था कि अगर इस बैठक में कांग्रेस केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल की पार्टी का सपोर्ट नहीं करेगी तो आप बैठक में शामिल नहीं होगी। हालांकि केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान दोनों इस बैठक में शामिल हुए।

बयान में आगे कहा गया, 'बैठक के दौरान कई दलों ने कांग्रेस को केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ सार्वजनिक रूप से निंदा करने को कहा। हालांकि कांग्रेस ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

वर्षों बाद दिखा लालू का पुराना अंदाज

AGENCY PATNA :
राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद बहुत दिनों के बाद अपने अंदाज में दिखे. लालू प्रसाद ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चिर परिचित अंदाज में कहा कि अब हम पूरी तरह फिट हैं. अब भाजपा और नरेंद्र मोदी को बढ़िया से ठीक कर देना है. लालू यादव ने करीब आठ मिनट के प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी की बढ़ी हुई दाढ़ी की बात की तो कभी उनको शादी करने की सलाह भी दी. इतना ही नहीं, उन्होंने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी परदेस में जाकर

चंदन की लकड़ी बांट रहे हैं.

बीजेपी के हनुमान जी हम लोग के साथ

कर्नाटक में भाजपा की हार पर भी लालू प्रसाद ने जमकर मजाक उड़ाया. कहा कि"महावीर जी" भाजपा से नाराज हो गये. उन्होंने ऐसी गदा मारी कि भाजपा हार गयी. राहुल गांधी की पार्टी जीत गयी. अब "हनुमान जी"हम लोगों के साथ हैं. अब हमलोग कोल,नल-नील सब को जोड़ रहे हैं. लालू प्रसाद ने कहा कि इस बार तो तय है कि कि नरेंद्र मोदी और भाजपा का हाल खराब होने वाला है. बताइए तो...2000 रुपये का नोट बंद कर दिया. नोट इन्हीं लोगों के पास छोटे-छोटे नोट रखे हुए थे. एक हजार वाला नोट बंद कर 2000 वाला लाया, अब इसे भी बंद कर दिया. लालू प्रसाद ने राहुल गांधी की राजनीतिक सोच और उनकी हालिया यात्रा की पुरजोर तारीफ की।

पटना में चला फोटो सेशन, मोदी ही बनेंगे पीएम : शाह

विपक्षी दलों के जमावड़े पर केन्द्रीय गृहमंत्री व भाजपा नेता अमित शाह ने कसा तंज

AGENCY DELHI :
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय दौरे पर जम्मू कश्मीर पहुंचे हैं. यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है. बिहार में विपक्षी दलों की बैठक को लेकर अमित शाह ने कहा कि आज पटना में फोटो सेशन चल रहा है. शाह ने कहा कि विपक्ष पीएम मोदी और एनडीए को चुनौती देना चाहते हैं. मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 2024 में पीएम मोदी 300 से ज्यादा सीटें

जीतकर पीएम बनेंगे. इस दौरान शाह ने यूपीए सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 लाख करोड़ रुपए के घोटालों में शामिल यूपीए सरकार को हटाया. उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर विकास की राह पर बढ़ा है.

विपक्ष पर साधा निशाना

जम्मू में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने नेशनल कांफ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा. शाह ने सवाल करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के कारण 42 हजार लोगों की मौत की जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री ने कहा, मोदी सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों में शामिल यूपीए सरकार की जगह ली और प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार-मुक्त भारत के लिए एक मजबूत नींव रखी.

तीन परिवार ने किया दशकों तक शासन

अमित शाह ने कहा कि तीन परिवारों ने जम्मू-कश्मीर पर दशकों तक मिलकर शासन किया, लेकिन अनुच्छेद-370 के कारण कोई विकास नहीं हुआ. आतंकवाद के कारण कम से कम 42 हजार लोगों की मौत हुई और वे कह रहे हैं कि हमें अनुच्छेद-370 को सुरक्षित रखना चाहिए था. शाह ने कहा कि वह नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती से पूछना चाहेंगे कि इन 42 हजार लोगों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, क्योंकि तब ये लोग सत्ता में थे।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से पाकिस्तान को सुनाई खरी-खोटी

कहा- आतंकवाद पर कोई अगर-मगर नहीं

AGENCY DELHI : AMERICA:
अपने अमेरिका दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर बात की. आतंकवाद के प्रायोजकों के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान करते हुए पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर परोक्ष निशाना साधा और कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है तथा इस संकट से निपटने में कोई ह्यह्यअगर-मगरह्लह्ल नहीं हो सकता. गुरुवार को अमेरिकी संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 9/11 हमले के दो से भी अधिक दशक तथा मुंबई में 26/11 हमलों के एक से भी अधिक दशक बाद कट्टरपंथ और आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए आज भी एक खतरा बना हुआ है.

आतंकवाद पर कोई अगर या मगर नहीं हो सकता

पीएम नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजी भाषा में 60 मिनट के अपने भाषण में कहा, ये विचारधाराएं नयी पहचान तथा रूप ले रही हैं लेकिन उनकी मंशा समान है. आतंकवाद मानवता का दुश्मन है और इससे निपटने में कोई अगर या मगर नहीं हो सकता. हमें आतंकवाद को प्रायोजित तथा उसे फैला रही ऐसी सभी ताकतों से निपटना होगा. प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने आतंकवाद तथा चरमपंथ से लड़ने का संकल्प जताया. बयान में कहा गया है, अमेरिका

तथा भारत वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक साथ खड़े हैं और आतंकवाद तथा हिंसक चरमपंथ की सभी रूपों में निंदा करते हैं.

मुंबई हमलों और पठानकोट हमले का जिक्र

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडन ने अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन समेत संयुक्त राष्ट्र में सूचीबद्ध सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई की मांग को दोहराया. इसमें कहा गया है, उन्होंने सीमा पार आतंकवाद, आतंकवाद के लिए लोगों के इस्तेमाल करने की कड़ी निंदा की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया कि उसके कब्जे वाले किसी क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी हमले करने के लिए न किया जाए. उन्होंने 26/11 मुंबई हमलों और पठानकोट हमले के दोषियों को सजा देने का भी आह्वान किया.र चुप्पी साधे हुए है।

टाइटन पनडुब्बी पर सवार सभी यात्रियों की मौत

AGENCY ADELAIDE : लापता पनडुब्बी टाइटन के चार दिन चले तलाश अभियान का एक त्रासदीपूर्ण अंत हुआ है. खबरों ने पुष्टि की है कि टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने गयी पनडुब्बी में विनाशकारी विस्फोट हुआ, जिसके कारण इसमें सवार सभी पांचों यात्रियों की तत्काल मौत हो गयी. अधिकारियों ने बताया कि टाइटैनिक के डूबने के स्थल से लगभग 500 मीटर दूर समुद्र तल पर पनडुब्बी के पांच बड़े-बड़े टुकड़े मिले हैं. इनका मिलना पहले दिये गये इन समाचारों से मेल खाता है कि टाइटन जब पानी में उतरा था, उसी दिन अमेरिकी नौसेना को एक विस्फोट जैसा जोरदार धमाका सुनाई दिया था.

नौसेना के समुद्र तल सेंसर ने उस क्षेत्र में विस्फोट का पता लगाया था

नौसेना के समुद्र तल सेंसर ने उस क्षेत्र में विस्फोट का पता

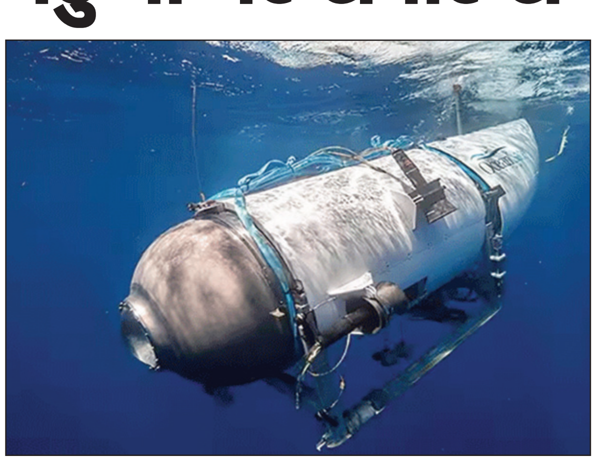

लगाया था, जहां पनडुब्बी का अपने मुख्य पोत के साथ संपर्क टूटा था. उस समय विस्फोट के बारे में बताया गया था कि यह निर्धारित नहीं था. एरिक फुसिल, (एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ एडीलेड, ऑस्ट्रेलिया) ने विस्फोट के कारणों की ओर इशारा किया है. माना जा रहा है कि विस्फोट उसी दिन हुआ, जिस दिन पनडुब्बी पानी में उतरी थी, लेकिन संभवतः यह उस समय नहीं हुआ, जब उसका अपने मुख्य पोत से संपर्क टूटा था, लेकिन ऐसा क्यों हुआ? पानी में गहराई पर चलने वाली अधिकतर पनडुब्बियों में एक दाब पात्र होता है, जो एकल धातु सामग्री से बना होता है.

आमतौर पर अपेक्षाकृत कम गहराई (लगभग 300 मीटर से कम) के लिए स्टील और अधिक गहराई के लिए टाइटेनियम का इस्तेमाल किया जाता है. टाइटेनियम या मोटे स्टील वाला दाब पात्र आमतौर पर गोलाकार होता है और यह 3,800 मीटर गहराई तक दबाव झेल सकता है. टाइटैनिक का मलबा इसी गहराई पर पड़ा है. बहरहाल, टाइटन पनडुब्बी इनसे अलग थी. इसका दाब पात्र टाइटेनियम और मिश्रित कार्बन फाइबर के मेल से बना था. यह इंजीनियरिंग के नजरिए से कुछ हद तक असामान्य है, क्योंकि पानी में गहराई तक जाने के संदर्भ में टाइटेनियम और कार्बन फाइबर काफी भिन्न गुणों वाली सामग्रियां हैं. टाइटेनियम लचीला है और वायुमंडलीय दबाव में वापसी के बाद उसके अनुसार ढल जाता है. यह दबाव डालने वाले बलों के अनुकूल सिकुड़ भी सकता है और इन बलों के कम होने पर फिर से फैल जाता है.

पानी के नीचे दबाव के कारण विस्फोट हुआ होगा

दूसरी ओर, कार्बन-फाइबर अधिक कठोर होता है और इसमें ऐसा लचीलापन नहीं होता. हम इस बात का केवल अंदाजा ही लगा सकते हैं कि दो अलग-अलग प्रौद्योगिकियों के मेल से क्या हुआ होगा. लेकिन एक बात हम निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि इन सामग्रियों में अंतर के कारण कोई गड़बड़ हुई और पानी के नीचे दबाव के कारण विस्फोट हुआ होगा. सटीकता से डिजाइन किया गया एवं निर्मित और पुख्ता जांच परख के बाद तैयार दाब पात्र सभी दिशाओं से पड़ने वाले समग्र दबाव को झेल सकता है. ऐसी स्थिति में उपयुक्त सामग्री से निर्मित पनडुब्बी गहराई में आवश्यकता के अनुसार सांस ले सकती है-सिकुड़ और फैल सकती है. टाइटन में विस्फोट का अर्थ है कि उसके साथ ऐसा नहीं हुआ. इस विस्फोट के कारण उसमें सवार सभी यात्रियों की 20 मिली सेकंड से भी कम समय में मौत हो गयी होगी।

असम के 19 जिलों में बाढ़ का कहर, 1538 गांवों के 4,88,525 लोग प्रभावित

ASAM : असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर होती जा रही है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 19 जिलों के 4,88,525 से अधिक नागरिक बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में चार नदियां पांच स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसमें मानस (एनएच रोड क्रॉसिंग), पगलादिया (एनटी रोड क्रॉसिंग), पुठिमारी (एनएच रोड क्रॉसिंग) और ब्रह्मपुत्र (धुबड़ी; निमातीघाट) शामिल हैं। कई नदियों के तटबंध टूट गए और सड़कों को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। असम राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आज बाढ़ प्रभावित जिलों के आंकड़े जारी किए गये हैं। बाढ़ प्रभावित 19 जिलों के ग्रामीण के साथ ही दो जिलों के शहरी इलाकों में भी बाढ़ का असर देखा जा रहा है।

लोकसभा चुनाव से पहले झारखंड में 'खेला होबे'

राज्य में बड़े राजनीतिक उलटफेर की संभावना, कुछ बड़े चेहरे थाम सकते भाजपा का दामन

PAWAN SINGH, RANCHI

देश में लोकसभा-2024 चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक तरफ बिहार के पटना में कांग्रेस सहित 15 दल अपनी राजनीतिक मोचेबंदी में जुट गये हैं। दूसरी तरफ केंद्र की सत्ताधारी भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। 14 लोकसभा सीट वाले झारखंड पर सबकी निगाहें हैं। राज्य की सत्ताधारी गठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन विपक्षी मोचेबंदी को धार देने के लिए बिहार गये हैं। ठीक एक दिन पहले झारखंड पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं को सभी सीटों पर जीत का लक्ष्य सौंपा। कहा जा रहा है कि बीजेपी एक-एक सीट पर गुना-गणित कर रही है। राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो भाजपा की ओर से कराये गये अलग-अलग सर्वे में आये परिणाम के आधार पर पार्टी कोई जोखिम मोल नहीं लेना चाहती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद देश के सभी सांसदों की रिपोर्ट कार्ड देख रहे हैं। इसमें

झारखंड के भाजपा सांसदों के भी नाम हैं। पार्टी के सर्वे में जिन जनप्रतिनिधियों का परफॉर्मेंस ठीक नहीं होगा, उनका टिकट लगभग कटना तय माना जा रहा है। यही कारण है कि पार्टी कई नये चेहरों को भी संगठन से जोड़ रही है। आने वाले चुनाव में कमजोर सीटों पर नये चेहरे पर दाव लगाया जा सकता है।

अर्जुन, रघुवर व बाबूलाल मरांडी लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

पार्टी सूत्रों की माने तो झारखंड में बीजेपी पहली बार एक साथ अपने तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को लोकसभा चुनाव लड़ाने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के साथ इस बार पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और बाबूलाल मरांडी को लोकसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। अभी तक रघुवर दास अपनी परंपरागत विधानसभा सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव लड़ते आए हैं, लेकिन पिछले चुनाव में उन्हें यह सीट गंवानी पड़ी थी। इसके बाद उन्हें राज्यसभा भेजे जाने की चर्चा थी, लेकिन

बाबूलाल मरांडी

अर्जुन मुंडा

रघुबर दास

आलाकमान ने आदित्य साहू को राज्यसभा का सदस्य बना दिया। अब कहा जा रहा है कि पार्टी रघुवर दास को चतरा लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतार सकती है। वहीं बाबूलाल मरांडी को कोडरमा या फिर गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बना सकती हैं। जबकि अर्जुन मुंडा एक बार फिर खूंटी से प्रत्याशी बनाए जाएंगे।

सरयू राय की बीजेपी में हो सकती है वापसी

सरयू राय

इसी बीच चर्चा यह भी है कि बहुत जल्द ही बीजेपी से अलग हुए सरयू राय की घर वापसी हो सकती है और उनको भी पार्टी धनबाद सीट से लोकसभा मैदान में उतार सकती हैं। हालांकि, इसमें कितनी सच्चाई है यह तो आने वाले समय ही बताएगा लेकिन फिलहाल चर्चा का बाजार गर्म है। इस बात को तब बल और भी मिल गया जब सरयू राय एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनबाद पहुंच गए। फिलहाल धनबाद 3के सांसद पीएन सिंह हैं, जिनकी उम्र 75 साल से अधिक हो गई है। ऐसे में उन्हें फिर टिकट देने को लेकर असमंजय की स्थिति है। विकल्प के तौर पर सरयू राय के नाम को लेकर कयास लगाये जा रहे हैं। सरयू राय बिहार की पृष्ठभूमि से आने वाले नेता है। इसके साथ-साथ जातीय समीकरण में वह पीएन सिंह के मुकाबले बिल्कुल फीट बैठते हैं। सरयू राय विधानसभा चुनाव में रघुवर दास को मात देकर अपनी मजबूत राजनीतिक छवि बनाने में कामयाब रहे हैं।

कांग्रेस के बड़े दिग्गज बीजेपी में हो सकते हैं शामिल : इसके साथ ही झारखंड में कांग्रेस के एक बड़े नेता बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए भाजपा कई नये प्रयोग कर सकती है। राज्य में पार्टी की स्थिति मजबूत करने के लिए कांग्रेस के दिग्गज को भगवा गमछा पहनाया जा सकता है। उन्हें विधानसभा चुनाव में पार्टी अपना प्रत्याशी बना सकती है। इसके अलावा झारखंड के एक और पूर्व सीएम का नाम राजनीतिक गलियारे में बेहद चर्चा में है। हालांकि पार्टी नेताओं की छवि को लेकर भी कोई जोखिम मोल लेना नहीं चाहती।

जम्मू कश्मीर में 42 हजार हत्याओं के लिए अब्दुल्ला-मुफ्ती-गांधी जिम्मेदार

जम्मू के भगवती नगर में रैली को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह बोले

PHOTON NEWS JAMMU:

अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को इन तीन परिवारों को 1947 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर में 42,000 लोगों की हत्या का जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में जी-20 सफल आयोजन हुआ। शानदार सफलता, और सभी प्रतिभागी शांति संदेश के साथ अपने-अपने देश को लौट गए हैं। जम्मू के भगवती नगर में रैली को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वे दिन गए जब तीन परिवार शासन करते थे और जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर देते थे। 1947 से 2014 तक, जम्मू-कश्मीर में 42,000 लोग मारे गए। इस काल में किसका शासन था? तीन परिवार-गांधी, अब्दुल्ला और

जम्मू में रैली को संबोधित करते गृह मंत्री अमित शाह • फोटोन न्यूज

मुफ्ती का।' अमित शाह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी को 1953 में बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने पर अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, 'किसी को अपने ही देश में प्रवेश करने के लिए परमिट की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए? उन्हें जेल में डाल दिया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई।' शाह ने कहा, 'आज मुखर्जी की आत्मा को शांति मिलेगी क्योंकि एक विधान, एक निशान और एक प्रधान का उनका सपना पूरा हो गया है।'

गृह मंत्री ने कहा कि डॉ मुखर्जी भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करने का विरोध करने वाले पहले व्यक्ति थे। शाह ने कहा, 'पांच अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा कदम उठाया और डॉ. मुखर्जी के दृष्टिकोण को पूरा करते हुए अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए हटा दिया।' उन्होंने कहा कि भारत पीएम मोदी के शासन के नौ साल का जश्न मना रहा है। ह्रमोदी का शासन एक खुली किताब है। यह यूपीए की तरह नहीं है जिसमें 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। शाह ने कहा, उनके नौ साल के शासन के दौरान मोदी के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आज शहर में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। शाह ने कहा कि भाजपा ने आतंकवाद पर नकेल कस दी है और आज "आतंकवाद अपनी मृत्यु शय्या पर है।" गृहमंत्री ने कहा, 'यूपीए के दस साल के शासन में 60,327 आतंकवादी घटनाएं हुईं। एनडीए के नौ साल के शासन में 70 प्रतिशत कम आतंकी घटनाएं हुई हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 47 महीनों में, हड़ताल के लिए केवल 32 कॉल आए, जबकि पथराव में 90 प्रतिशत की गिरावट आई।' उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने पत्थरों की जगह लैपटॉप और किताबों को ले लिया है।'

शाह ने बताया कि 2022 में पहली बार 1.88 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए।

विपक्षी एकता बैठक पर झारखंड में सियासत तेज

सुदेश महतो बोले- यह उन दलों का भय है जो मुकाबले में परास्त हो चुके हैं

PHOTON NEWS RANCHI:

मिशन 2024 के लिए विपक्षी एकता की बैठक बेहद अहम मानी जा रही है. बिहार की राजधानी पटना में होने वाली इस बैठक में विपक्ष के तमाम दिग्गज पहुंच चुके और इसी बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी पटना जा रहे हैं. विपक्षी दलों की बैठक मोदी को रोकने के लिए कितनी कारगर साबित होगी यह तो आने वाला वक्त बताएगा लेकिन इतना साफ है कि मामले को लेकर झारखंड सियासी गलियारे में भी बयानबाजी लगातार जारी है. एनडीए गठबंधन के आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि यह उन दलों का भय है. क्योंकि लगातार हुए मुकाबले में परास्त हो चुके हैं. इस डर की वजह से ही लोग एक दूसरे को एकत्रित कर रहे हैं. देखने वाली बात होगी कि उनका अपना एजेंडा और राज्य का एजेंडा कहां रह जाएगा. लोग एक जगह आ सकते हैं लेकिन

सुदेश महतो

एक नहीं हो सकते. वहीं बीजेपी सांसद संजय सेठ ने विपक्षी दलों की इस बैठक को मुंगेरीलाल के हसीन सपने बताया है. उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल का एजेंडा देश को बढ़ाने के लिए एजेंडा होना चाहिए लेकिन उनका एजेंडा है मोदी हटाओ. क्योंकि उनकी दुकान बंद हो गई है. उन्हें पता नहीं इस देश के 140 करोड़ लोग मोदी के साथ खड़े हैं विकास के साथ खड़े हैं और 2024 में उनका परमानेंट ताला लग जाएगा. मुख्यमंत्री के पटना बैठक में शामिल होने के मामले पर संजय सेठ ने कहा कि कोई कहां जाए 2024 में जनता के पास आना होगा और जनता जानती है कि 76 सालों के अंदर की सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक क्या पहुंचा.

बीजेपी की तरफ से किए गए कटाक्ष पर पलटवार करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि विपक्षी एकता की कवायद में हम सभी लगे हैं. हम चाहते हैं कि देश में जो यह निकम्मी भ्रष्ट सरकार है जो मुद्दों से मुंह मोड़ कर विदेशों में भ्रमण करने वाली सरकार है उसको सत्ता से उखाड़ फेंके और उसी को लेकर हम लोगों ने कवायद शुरू की है. जिसमें व्यापक सहयोग मिल रहा है. सभी दलों का नीतीश कुमार ने जो कोशिश की है अगर तमाम विपक्षी दल सही नियत और संपूर्ण एकता के साथ सोचेंगे तो हमारी एकता मजबूत होगी और आने वाले समय में हम बीजेपी को ठीक करने का काम करेंगे.

रेल परिचालन बाधित करने के मामले में

खरसावां के पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय को एक साल की सजा

PHOTON NEWS CHAIBASA:

खरसावां के पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के न्यायाधीश ऋषि कुमार ने दोषी करार देकर एक वर्ष की सजा सुनायी है. उन पर 27 नवंबर 2011 को राजखरसावां रेलवे स्टेशन में समर्थकों के साथ रेल परिचालन बाधित करने का आरोप है. इस मामले में आरपीएफ के एएसआइ एसबी लामा ने आरपीएफ पोस्ट सीनी में पूर्व विधायक सोय समेत 50 अन्य कार्यकताओं के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था. दर्ज प्राथमिकी में बताया

गया था कि 27 नवंबर 2011 को राजखरसावां रेलवे स्टेशन की लाइन संख्या सात में सुबह 9.55 से एक बजे तक भाजपा का बैनर व झंडा लेकर करीब 50 अन्य कार्यकताओं के साथ इस्पात एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को लेकर ट्रेन परिचालन बाधित किया था. मंगल सिंह सोय पर 174(ए) रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय ने कहा कि चाईबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं. कोर्ट के निर्णय पर आगे अपील करेंगे.उन्होंने बताया कि कोर्ट के निर्णय पर आगे अपील करेंगे. उन्होंने बताया कि यह मामला राजखरसावां रेलवे स्टेशन में इस्पात एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन से जुड़ा हुआ है. उन्होंने बताया कि जनहित से जुड़े मामलों में हमेशा पूरी संजीदगी के साथ कार्य करेंगे.

विस स्तरीय झामुमो कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों को ले जिला अध्यक्ष ने की बैठक

PHOTON NEWS CHAIBASA:

26 जून को नोवामुंडी में आयोजित होने वाले जगन्नाथपुर विधानसभा स्तरीय झामुमो का कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। उक्त बातें झामुमो के जिलाध्यक्ष सह चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने गुवा सेल के डायरेक्टर बंगला में शुक्रवार को अपने कार्यकताओं के साथ बैठक कर कहा। उन्होंने इस कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए उपस्थित कार्यकताओं को दिशा निर्देश दिए। इसे लेकर सुखराम उरांव ने कहा कि यह बैठक प्रत्येक पंचायत के सुदूरवर्ती गांव व उसके बूथों पर संगठन की मजबूती के उद्देश्य से की जा रही है। जिलाध्यक्ष होने के नाते पार्टी

बैठक करते झामुमो कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

का जनाधार पूरे जिले में कैसे मजबूत हो इस पर कार्य किया जा रहा है। 2024 चुनाव में महागठबंधन किसको उम्मीदवार बनाती है वह गठबंधन के पदाधिकारी तय करेंगे। गठबंधन धर्म का हमलोग पालन करेंगे। हमारा यह कार्यक्रम झामुमो संगठन को मजबूत करने हेतु बैठक कर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। 26 जून को सभी पंचायतों से भारी तादाद में कार्यकर्ता एवं मजदूर संगठनों से भी सेलकर्मी व ठेका मजदूर नोवामुंडी आकर उक्त कार्यक्रम को न सिर्फ ऐतिहासिक बनाएंगे, बल्कि विभिन्न दलों से सैकड़ों कार्यकर्ता झामुमो का दामन थामेंगे।

राहुल जी आप शादी कीजिए हम लोग चलेंगे बारात: लालू

PHOTON NEWS BIHAR:

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद लंबे समय बाद शुक्रवार को किसी राजनीतिक कार्यक्रम में नजर आए और अपने चिर-परिचित चुटीले अंदाज में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहा कि आप शादी करिए, हम लोग बारात चलेंगे। अब किसी को भी लग सकता है कि इतनी अहम राजीनितक मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में लालू ने भला राहुल की शादी का मुद्दा क्यों छेड़ा। जवाब है- मिशन 2024 के लिए पटना में विपक्ष की 15 पार्टियों की मीटिंग को लेकर बीजेपी लगातार हमलावर थी और बार-बार सवाल कर रही थी नरेंद्र मोदी के जवाब में उनकी ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा? ऐसे में लालू के राहुल गांधी को दूल्हा बनाने के बयान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद लालू पहली बार कैमरे के सामने आए। पहले उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तारीफ की और फिर अडाणी मामले को लोकसभा में उठाए जाने का हवाला देते हुए कहा आपने लोकसभा में अच्छा काम किया। इसके बाद लालू अपने चुटीले अंदाज में नजर आए और राहुल गांधी की दाढ़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, ₹आप घूमने लगे तो दाढ़ी बढ़ा लिए, इससे नीचे मत ले जाइए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ₹आप हमारी सलाह नहीं माने, विवाह नहीं किए। अभी समय नहीं बीता है। आप शादी करिये, हम लोग बारात चलें।₹ उन्होंने कहा कि आपकी मां (सोनिया गांधी) बोलतीं थीं कि हमारी बात नहीं मानता, शादी करवाइए। आप शादी कर लीजिए।₹ लालू के इस अंदाज पर वहां मौजूद नेता और अन्य हंसने लगे। इसके जवाब में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आपने कह दिया, तो (शादी)

हो जाएगी। पहली नजर में किसी को लग सकता है कि हँसुए के ब्याह में खुरपी का गीत गा रहे हैं लालू, लेकिन जो लोग उनको और उनकी शैली को जानते हैं, वे यह भी जानते हैं कि उनकी हर बात का एक राजनीतिक अर्थ होता है। फिर लालू यादव के राहुल गांधी को दूल्हा बनाने की वकालत के पीछे असली मकदस क्या है? साफ है कि उन्होंने इशारों-इशारों में सबको बता दिया है कि विपक्ष का गठबंधन कांग्रेस की अगुवाई में ही बनेगे और दूल्हा यानी प्रधानमंत्री पद के दावेदार राहुल गांधी ही होंगे। ये और बात है कि सबको साथ रखने की मजबूरी में इसकी औपचारिक घोषणा भले ही चुनाव के नतीजे से पहले संभव न हो पाए। लालू ने ये बयान क्यों दिया इसे समझने के लिए बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के बयान को जानना पड़ेगा। मीटिंग से पहले रविशंकर प्रसाद ने कहा था,₹2024 के लिए नीतीश बाबू बारात सजा तो रहे हैं लेकिन दूल्हा कौन है, पीएम बनने की कुछ की इच्छा अंदर है, और कुछ की इच्छा बाहर है। देश आगे निकल गया है, देश एक स्थायी सरकार चाहता है।₹ दूसरी तरफ, बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने विपक्षी एकता को ठग्स ऑफ गठबंधन करार दिया और कहा कि विपक्षी एकता के नाम पर एक दूसरे को टोपी पहनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ये देश को मूर्ख बनाने की तैयारी है। विपक्ष का कोई सिद्धांत नहीं है, सब भ्रष्टाचारी हैं। उन्होंने यह भी पूछा था कि विपक्षी एकता का चेहरा कौन है।

दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच फिर ठनी

स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एलजी ने उठाए सवाल अस्पतालों के निर्माण में देरी पर जताई आपत्ति

AGENCY NEW DELHI:

दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उपराज्यपाल ने चिंता जताई है। अस्पताल निर्माण में हो रही देरी पर दिल्ली सरकार को अवगत भी कराया है। इस बाबत उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र भी लिखा है।

पत्र में कहा है कि न केवल सिरसपुर में नए अस्पताल का निर्माण कार्य निर्धारित समय से एक साल पीछे चल रहा है, बल्कि लोक नायक, गुरु गोबिंद सिंह, डॉ. बीआर आंबेडकर, राव तुला राम और अरुणा आसफ अली जैसे मौजूदा अस्पतालों में बिस्तरों की बढ़ोतरी में भी तीन साल से अधिक की देरी हुई है। पत्र में उपराज्यपाल ने कहा है कि इंदिरा गांधी अस्पताल का काम 2012-13 में शुरू हुआ था। 10 साल बीत जाने के बावजूद अब तक पूरा नहीं हुआ है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भगवान महावीर, अरुणा आसफ अली और दीपचंद बंधू अस्पताल में अभी तक काम ही चल रहा है। दीप चंद बंधु अस्पताल का काम 2019 में शुरू किए गया था और 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य था। तीन साल बाद भी पूरा होने की कोई निश्चित तारीख नहीं है। उपराज्यपाल ने कहा कि 17 अस्पतालों में बिस्तरों की वृद्धि और समय पर एक नए अस्पताल के निर्माण से दिल्ली के लोगों के लिए लगभग 12,500 अतिरिक्त बिस्तर उपलब्ध हो जाते। इनमें से कई अस्पतालों की परियोजनाएं,

जिनकी 2014 और 2019 में जोर शोर से घोषणा की गई थी और कहा गया था कि 2017 से 2020 तक तैयार कर लिया जाएगा, लेकिन यह योजना भी अधूरी है। अगर समय पर अस्पताल निर्माण की योजना पूरी कर ली जाती तो कोविड महामारी के दौरान बिस्तरों की अनुपलब्धता नहीं होती।

जनता को गुमराह कर रहे एलजी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार लोगों की सुविधा के लिए बेहतर अस्पतालों का निर्माण कर रही है। उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से अस्पतालों के निर्माण को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जल्द ही लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ अस्पताल मिलेंगे। भारद्वाज ने सक्सेना पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें संबंधित अधिकारी गलत तथ्य के साथ सूचित कर रहे हैं। वह दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पतालों के निर्माण कार्य में हो रही देरी के डाटा तथ्यात्मक रूप से गलत है। कोरोना महामारी के दौरान भी दिल्ली सरकार ने अतिरिक्त बेड का बेहतर प्रबंधन किया था।

सरकार का इरादा सिर्फ प्रचार का सक्सेना ने कहा कि सरकार का इरादा सिर्फ प्रचार करने का है। इसके अलावा कुछ भी नहीं है। काम जमीनी स्तर पर होना चाहिए ना की केवल प्रचार-प्रसार के लिए। विलंबित अस्पताल परियोजनाओं पर मीडिया रिपोर्टों का भी हवाला उपराज्यपाल ने दिया है। वास्तव में यह दिल्ली के लिए गंभीर चिंता का विषय है। जहां जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। यह कहने के लिए बाध्य हूं कि जमीनी स्तर पर स्थिति पूरी तरह से विपरीत है। योजना में देरी की वजह से लागत में बढ़ोतरी आम बात हो गई है।

सच के हक में...
Daily THE PHOTON NEWS
www.thephotonnews.com
Saturday, 24 June 2023

पूर्व CM MADHU KODA के खिलाफ आरोप गठन पर दाखिल IA HIGH COURT में मंजूर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की हस्तक्षेप याचिका को मंजूर करते हुए फाइनल सुनवाई के लिए पांच सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की। कोर्ट ने मामले में निचली अदालत से इस केस के ट्रायल की वर्तमान स्थिति मांगी है।

पूर्व में कोर्ट ने मामले में याचिकाकर्ता को निचली अदालत के आरोप गठन के खिलाफ फ्रेश हस्तक्षेप याचिका (आईए) दायर करने का निर्देश दिया था। इससे पहले मधु कोड़ा की ओर से पूर्व में दाखिल आईए को वापस ले लिया गया था। याचिकाकर्ता ने सबसे पहले हस्तक्षेप याचिका दायर कर निचली अदालत द्वारा मामले में उनके डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी दौरान निचली अदालत ने उनके खिलाफ आरोप गठित कर दिया था। इसके बाद मधु कोड़ा ने फ्रेश हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर निचली अदालत द्वारा मामले में आरोप गठित किए जाने को भी हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

उल्लेखनीय है कि मधु कोड़ा पर आरोप है कि पूर्व में मुख्यमंत्री के उच्च पद का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने हैदराबाद की बिजली कंपनी आईवीआरसीएल के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपये घूस लिए। साथ ही कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए उसे लातेहार, गढ़वा और पलामू सहित छह जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस मामले में मधु कोड़ा ढाई साल तक जेल में भी रहे थे। बाद में उन्हें 30 जुलाई, 2013 को जमानत मिली थी।

हाई कोर्ट में सिविल कोर्ट के वकीलों को भी बैठने की मिलेगी जगह

RANCHI : हाई कोर्ट में रांची सिविल कोर्ट के वैसे सदस्यों को बैठने की जगह मुहैया कराई जाएगी जो हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के सदस्य हैं। इसके लिए रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता रतीश रौशन उपाध्याय ने पहल की है। अधिवक्ता रतीश रौशन, अजय कुमार मुरारका और राणा प्रियरंजन सिंह ने एडवोकेट एसोसिएशन के महासचिव नवीन कुमार, कोषाध्यक्ष प्राण प्रणय और कार्यकारिणी सदस्य शौर्या द्विवेदी से शुक्रवार को मुलाकात की।

इस दौरान रांची जिला बार एसोसिएशन के वैसे सदस्य जो हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के भी सदस्य हैं, उन्हें बैठने के लिए जगह दिलाने पर चर्चा की गई, जिसके बाद उन्हें आश्वस्त किया गया कि एक महीने में वे निश्चित रूप से सभी सदस्यों को बैठने की जगह उपलब्ध कराएंगे।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा, अदालतों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए क्या है प्लान

RANCHI : राज्य के सभी सिविल कोर्ट, कंज्यूमर फोरम सहित अन्य ज्यूडिशियल फोरम में दिव्यांगों के लिए सुविधा मुहैया कराने को लेकर पीपुल यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी की ओर से दाखिल जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि राज्य के सिविल कोर्ट में दिव्यांगों को सुविधा मुहैया कराने के लिए क्या प्लान है. अदालतों को दिव्यांगों के लिए फ्रेंडली माहौल कैसे बनाया जा सकता है. कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 11 अगस्त निर्धारित की है.

दरअसल, प्रार्थी की ओर से जनहित याचिका दायर कर कहा गया है कि राज्य के सभी सिविल कोर्ट ,कंज्यूमर फोरम आदि जगहों में दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, लिफ्ट, रैंप, विशेष स्टाइल की टॉयलेट की व्यवस्था होनी चाहिए. जिससे उन्हें अदालती कार्यों से सिविल कोर्ट या कंज्यूमर फोरम आदि जगहों पर आने पर किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने पैरवी की।

एडवोकेट व एडवोकेट क्लर्क के बीच गतिरोध जारी मांगे पूरी होने तक नहीं करेंगे एडवोकेट क्लर्क काम

RANCHI : गुरुवार को हाईकोर्ट के नए भवन में आवंटित कमरे का ताला तोड़ने और सामान बाहर फेंके जाने के बाद वकीलों और अधिवक्ता लिपिक के बीच शुरू हुआ गतिरोध जारी है. शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यह गतिरोध खत्म होगा. लेकिन लिपिकों ने यह तय किया है कि जब तक उन्हें आवंटित कमरा नहीं दिया जाता, तब तक वह अपने कार्य से दूर रहेंगे. दरअसल हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से पूर्व में आवंटित कमरे में बदलाव करते हुए लिपिकों को उन्हें दूसरी जगह दो कमरे आवंटित किए गए थे. लेकिन गुरुवार को एक कमरे का ताला तोड़ कर सामान बाहर फेंक दिया गया. जिसके बाद लिपिक संघ के सदस्यों ने तत्काल काम बंद कर दिया है. यह जानकारी लिपिक संघ के महासचिव महादेव यादव ने दी।

रिम्स में मरीजों को दवा और जांच के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा : आर के गुप्ता

PHOTON NEWS RANCHI : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान(रिम्स) के प्रभारी निदेशक प्रो (डॉ) आर के गुप्ता ने कहा कि रिम्स में मरीजों को अब दवा और जांच के लिए अधिक परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रभारी निदेशक डॉ राजीव गुप्ता ने कहा कि छह जून को प्रभार लेने के बाद इमरजेंसी और इलाज के लिए बेसिक परेशानी को दूर करना उनका लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि मरीजों को गॉज, बैंडेज, आईबी फ्लूइड की कमी दूर कर दी गई है। जरूरी दवाइयां भी रिम्स में उपलब्ध करा दी गई है । साथ ही अन्य दवाइयों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। 23 सैंपल कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं, जहां मरीज सैंपल दे सेकेंगे और रिपोर्ट भी मरीजों को मिलेगी।

मीडिया को जानकारी देते प्रभारी निदेशक डॉ राजीव गुप्ता।● फोटोन न्यूज

गुप्ता शुक्रवार को रिम्स में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रिम्स के इमरजेंसी और ट्रामा सेंटर में सुधार के लिए कई कदम उठाये जा रहे है। इनमें 18 वेंटीलेटर और सभी ऑक्सीजन प्वाइंट को कार्यशील करने, 24 घंटे डॉक्टरों की मौजूदगी के लिए रोस्टर तैयार करने, हैंड ओवर और टेकओवर रिपोर्ट प्रति पाली में तैयार करने,नर्सों का ड्यूटी का रोस्टर तैयार करने, ड्यूटी पर तैनात नर्स को दवाओं की उपलब्धता का हिसाब और हैंड ओवर रिपोर्ट बनाने, चिकित्सा अधीक्षक और उपाधीक्षक प्रतिदिन इमरजेंसी की व्यवस्थाओं की निगरानी करने, प्रथम तल पर 20 आईसीयू बेड और एक ऑपरेशन थिएटर तैयार करना शामिल है।

उन्होंने बताया कि रिम्स में सुरक्षा को लेकरअनावश्यक और आवंछित आवाजाही पर रोक लगाने के लिए कई पॉइंट पर बैरियर इत्यादि लगाए जायेंगे। होम गार्ड और सैप के जवान वार्ड में रहेंगे तैनात ।

उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां से अवांछित अनावश्यक लोग प्रवेश करते हैं । उन जगहों की पहचान कर सुरक्षाकर्मी तैनात किये जायेंगे। 24 घंटे और सातों दिन त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी)वॉकी टॉकी के साथ तैनात रहेंगे, जो अस्पताल और रिम्स परिसर की सुरक्षा की निगरानी करेंगे । उन्होंने कहा कि रात्रि ड्यूटी में महिला डॉक्टर के साथ सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।

इसके अलावा आयुष्मान भारत के तहत इलाज कराने वालों के लिए आयुष्मान मित्र और जगह जगह कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात किये जायेंगे। साथ ही ओपीडी भवन में कैश काउंटर की संख्या बढ़ा कर

रांची के कार्यालयों में पदस्थापित 202 कर्मचारियों के हुए तबादले

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में विभिन्न कार्यालयों में पदस्थापित 202 अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला कर दिया गया है। इसको लेकर शुक्रवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने आदेश जारी कर दिया है। जिनका तबादला किया गया है उनमें कार्यालय अधीक्षक, प्रधान लिपिक, उच्च वर्गीय लिपिक, निम्न वर्गीय लिपिक और राजस्व उप निरीक्षक शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक विगत 15 जून को जिला स्थापना समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया था। बताया गया कि नियमित प्रोन्नति मिलने के बाद इन लोगों को नयी जगह पर पोस्टिंग दी गयी है। वर्ष 2001 से सदर अनुमंडल रांची में (मुख्यमंत्री सचिवालय में प्रतिनियुक्ति) कार्यालय अधीक्षक के पद पर काम कर रहे रविभूषण दूबे को जिला स्थापना शाखा (प्रतिनियुक्ति मुख्यमंत्री सचिवालय) भेज दिया गया है।

सदर अनुमंडल रांची में कार्यालय अधीक्षक रिहाना शमीम को जिला नक्सल/जनसंवाद शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया है। उच्च वर्गीय लिपिकों में वर्ष 2008 से मांडर प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित संतोष कुमार भगत (जेपीएससी में प्रतिनियुक्त) का तबादला अंचल कार्यालय लापुंग कर दिया गया है। रातू प्रखंड कार्यालय में तैनात बरनावास टोप्पो (दिव्यांग) को जिला राजस्व शाखा रांची भेज दिया गया है।

जिला में निम्न वर्गीय लिपिकों का भी तबादला हुआ है। तमाड़ अंचल कार्यालय में तैनात विकास कुमार को जिला राजस्व शाखा रांची भेज दिया गया है। बुंडू अनुमंडल में काम कर रहे सत्यनारायण मुंडा को प्रखंड कार्यालय राहे में योगदान देने को कहा गया है। इटकी अंचल कार्यालय में कार्यरत अमित लकड़ा को जिला पंचायत शाखा रांची भेज दिया गया है।

77 राजस्व उप निरीक्षकों का तबादला कर दिया गया है। ओरमांझी अंचल की इंदु कुमार साहू को अंचल कार्यालय खलारी स्थानांतरण कर दिया गया है। रातू अंचल के सुनील कुमार सिंह-2 भी अंचल कार्यालय खलारी का काम देखेंगे। कांके अंचल की अनिता हेमरोम का तबादला इटकी अंचल कार्यालय कर दिया गया है।

प्रशिक्षण में सीखे गुणों को अनुसंधान में प्रयोग कर अपराधियों को सलाखों तक पहुंचाएं : डीआईजी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के कांके रोड स्थित न्यू पुलिस लाइन में तीन दिवसीय दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी अनूप बिरथरे ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में सीखे गुणों को अनुसंधान में प्रयोग कर अपराधियों को सलाखों तक पहुंचायें।

डीआईजी ने कहा कि अनुसंधान में वैज्ञानिक सहायता का प्रयोग से जो साक्ष्य जुटाये जाते हैं, वह पुख्ता होता है और उससे अपराधियों को सजा दिलाने में काफी सहायता मिलती है। पुलिस ड्यूटी मीट में 11 विषयों का प्रशिक्षण के साथ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। हर विषयों के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को डीआइजी, एसएसपी सहित अन्य अधिकारियों ने मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रांची जिला को ओवरऑल चैंपियन और खूंटी जिला को ड्यूटी पुरस्कार दिया गया ।

इस दौरान प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां, एएसपी मोमल राजपुरोहित, सार्जेंट मेजर अभिनव पाठक, सुबोध गुप्ता सहित कई पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

इन विषयों पर दिया गया प्रशिक्षण

पुलिस ड्यूटी मीट में विधि विज्ञान, मेडिकोलिगल, क्राइम इंवेस्टीगेशन लॉ रूल्स प्रैक्टिकल तथा कोर्ट जजमेंट, फोटोग्राफी, लिफ्टिंग पैकिंग एवं फॉरवर्डिंग, ऑबजरवेशन, पुलिस पोट्रेट, पुलिस फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, कंप्यूटर साक्षरता, बम एंड मेटल डिटेक्टर जांच, पुलिस श्वान दस्ता आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक मंडल में राज्य फिंगर प्रिंट ब्यूरो के सहायक निदेशक नीरज सहाय, सहायक निदेशक एफएसएल अमित कुमार, इंस्पेक्टर असित मोदी, सीआइडी के फोटोग्राफर दिलीप महतो, सीआइडी के श्वान दस्ता प्रभारी एतवा उरांव, कुजरी जामुद और सुनील कुमार यादव ने प्रशिक्षण दिया और उनका परीक्षा भी लिया।

रांची को मिलेगी 244 सिटी बसें, कंपनी चयन के लिए जल्द टेंडर निकालेगा नगर निगम

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में जल्द ही 244 नई सिटी बसें उतरने वाली हैं. रांची नगर निगम पीपीपी मोड पर इन बसों का परिचालन कराएगा. डीपीआर तैयार है. टेंडर भी अंतिम स्टेज पर है. नगर निगम इसी महीने बसों के परिचालन के लिए कंपनी का चयन करने के लिए टेंडर निकाल सकता है. इसके बाद चयनित कंपनी बसें खरीदकर उसे विभिन्न रूटों पर चलाएगी. नई खरीदी जाने वाली सभी बसें (25-30 की सीटिंग कैपेसिटी वाली) मिनी बसें होंगी. बसों के परिचालन के लिए 13 रूट निर्धारित किए गए हैं. इसके लिए रांची नगर निगम क्षेत्र में 200 बस स्टॉप बनेंगे और पुराने बस स्टॉप अपग्रेड किए जाएंगे.

हर बस रोज 174 किमी की दूरी तय करेगी. 244 में से 220 नॉन एसी डीजल बसें होंगी, जबकि 24 एसी इलेक्ट्रिक बसें होंगी. शुरूआत में करीब 200 बसों का परिचालन शुरू हो सकता है, बाकी की बसें रिजर्व रखी जाएंगी.

605 करोड़ रुपए होंगे खर्च : रांची नगर निगम क्षेत्र में यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने और निजी वाहनों का दबाव कम करने के लिए यह बसें चलाई जाएंगी. इसके अलावा रांची के आसपास के 40 किलोमीटर क्षेत्र के शहर-गांवों तक भी ये बसें जाएंगी. बसों की खरीद और इसके परिचालन में करीब 605 करोड़ रुपये खर्च होंगे. पीपीपी मोड पर बसों के परिचालन के लिए 3 पक्ष होंगे. रांची नगर निगम रूट तय करेगा और ऑपरेटरों को मिलने वाली राशि उपलब्ध कराएगा. ऑपरेटर-1 बसों का परिचालन करेगा और ड्राइवर मुहैया कराएगा, जबकि ऑपरेटर-2 का काम तकनीकी सुविधाएं देना होगा.

10 साल में 247 करोड़ घाटे का अनुमान : नगर विकास विभाग ने जब 244 सिटी बसों को चलाने का प्रस्ताव तैयार किया था, तब उसने आकलन किया कि बसों के परिचालन से प्रति किलोमीटर 62.10 रुपए का खर्च आएगा, जबकि आय सिर्फ 44.80 रुपए होगी. इस तरह प्रति किमी पर 17.30 रुपए का घाटा होगा. यानी 10 वर्षों तक बसों के परिचालन पर 247 करोड़ रुपए घाटा होने का आकलन किया गया है. नगर विकास विभाग इस घाटे की भरपाई करेगा.

सखीमंडल के उत्पादों को राज्य समेत राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित कर सुनिश्चित की जा रही अच्छी आमदनी

राज्य में Sakhi Mandal से जुड़े अब तक 32.51 लाख परिवार

रांची, 23 जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर एक अभिनव प्रयास के जरिए पलाश ब्राण्ड से ग्रामीण महिलाओं को जहां एक ओर आजीविका का आधार मिला, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित एवं संग्रहित सरसों का तेल, चावल, आटा, दाल, मडुआ का आटा, लेमन ग्रास जैसे उत्पादों को लोगों के द्वारा खासा पसंद किया जा रहा है।

सखीमंडल के उत्पादों को राज्य समेत राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित कर सखीमंडलों की अच्छी आमदनी सुनिश्चित की जा रही है। पलाश ब्रांड की सफलता को देखते हुए लगातार सखी मंडल से जुड़ी दीदियों के सशक्तिकरण की दिशा में कार्य हो रहा है। राज्य के 24 जिलों के 264 प्रखंड के 29,953 गांव में करीब 2.78 लाख सखी मंडलों का गठन किया जा चुका है और इससे करीब 32.51 लाख परिवार जुड़े हैं।

बैंकों से क्रेडिट लिंकेज के जरिए मिल रही मदद

राज्य के 2.69 लाख सखी मंडल को 418.31 करोड़ रुपये चक्रीय निधि के रूप में एवं 2.44 लाख सखी मंडल को 1296.42 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में उपलब्ध कराया गया है। करीब 2.26 लाख सखी मंडल को 6511 करोड़ रुपये बैंकों से क्रेडिट लिंकेज के रूप में मिला है।

आजीविका से जोड़ने का क्रम जारी

ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए आजीविका सशक्तिकरण हुनर अभियान के जरिए राज्य के 29 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है। कृषि,पशुपालन, वनोपज, अंडाउत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखंड के 3816 गांव में 3922 उत्पादक समूह एवं 20 उत्पादक कंपनियों का गठन एवं संचालन हो रहा है। जिसके

सरकारी विद्यालयों के 12 शिक्षकों का तबादला

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सरकारी विद्यालयों के 12 शिक्षकों का तबादला कर दिया गया है। इसका आदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने शुक्रवार को जारी कर दिया है। इन सारे शिक्षकों का तबादला विभिन्न जिलों के दो विद्यालयों में हुआ है। तबादला संबंधी आदेश के पालन करने का निर्देश सभी संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारियों को दे दिया गया है। इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

निदेशक ने जारी आदेश में कहा है कि 23 अगस्त, 2022 को पारित न्यायादेश के अनुपालन के क्रम में 110 स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों का स्थानांतरण और पदस्थापन किया गया है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि उपरोक्त स्थानांतरित पदों पर यदि कोई अन्य शिक्षक पूर्व से पदस्थापित हों तो उन्हें संबंधित जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में अविलंब योगदान करने के लिए निर्देशित किया जाए।

इसके बाद निदेशालय के 4 मई, 2023 के निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में पदस्थापन की प्रतीक्षा में योगदान किये शिक्षकों से संबंधित प्रतिवेदन संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी से प्राप्त किया गया।

BRIEF NEWS

वंदे भारत एक्सप्रेस में 10 स्कूली बच्चों को मुफ्त में सफर करने का मिलेगा मौका

RANCHI : रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत 27 जून को होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे भारत ट्रेन का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के दौरान चयनित 10 स्कूली बच्चों को फ्री में रांची से सफर कराने की योजना है। बच्चों को सफर कहां तक कराया जायेगा इस विषय में अभी कोई योजना नहीं बनी है। रांची रेल मंडल के मुताबिक इस संबंध में रेलवे बोर्ड को पत्र भेजा गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे या रेलवे बोर्ड से अनुमति के बाद ही इस पर निर्णय लिया जायेगा। इस संबंध में अभी सिर्फ रांची रेलवे मंडल की योजना है। रेल मंडल की ओर से स्कूलों को चिट्ठी दी गयी है, जिसमें बच्चों के चयन की जानकारी दी गयी है लेकिन बोर्ड से अनुमति के बाद ही इस पर मुहर लगेगी। ट्रेन पटना से हटिया तक चलेगी। रेलवे इस रूट पर दो बार ट्रायल भी कर चुका है। 27 जून को उद्घाटन के दिन रांची जंक्शन पर दिन के 11 बजे इस ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया जायेगा।

झारखंड के आठ उप निर्वाचन पदाधिकारियों का तबादला

RANCHI : झारखंड के आठ उप निर्वाचन पदाधिकारियों का तबादला किया गया है. इसे लेकर मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है. जारी अधिसूचना के अनुसार, उप निर्वाचन पदाधिकारी चतरा पूर्णिमा कुमारी का तबादला धनबाद, विवेक कुमार सुमन बोकारो को रांची, कानू राम नाग पूर्वी सिंहभूम को सरायकेला-खरसांवा, प्रियंका सिंह सरायकेला-खरसावां को पूर्वी सिंहभूम, प्रिंय गोडविन कुजूर सिमडेगा को खूंटी, शैलेश कुमार सिंह पलामू को देवघर, बंधन लौंग लातेहार को पश्चिम सिंहभूम और अशोक कुमार दास दुमका का तबादला गिरिडीह कर दिया गया है।

भगवान जगन्नाथ के दरबार में मिला नवजात

RANCHI : एक मां ने एक दिन के नवजात शिशु को जगन्नाथपुर मेला परिसर के पास फेंक दिया। नवजात बच्चे की रोने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक कपड़े में लिपटा मासूम रो रहा है। मौके पर सबसे पहले पहुंचे जितेंद्र नामक युवक ने बताया कि बच्चे के शरीर पर चींटियां काट रहीं थीं, जिसकी वजह से बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा था। आनन-फानन में उसे नजदीक के डॉक्टर के पास ले गए। धुर्वा थाने पहुंचकर स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी दी। धुर्वा थाना ने मामले की जानकारी सीडब्ल्यूसी और करुणा आश्रम को भी दी। दोनों ही संस्थाओं से एक-एक टीम धुर्वा थाने पहुंची और बच्चे को रानी चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का जन्म आज ही सुबह हुआ है। फिलहाल बच्चा एकदम स्वस्थ है। थोड़े दिनों के इलाज के बाद उसे करुणा आश्रम भेजा जा सकता है।

कांटाटोली में रात दस से सुबह छह बजे तक वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित

RANCHI : कांटाटोली फ्लाईओवर निर्माण को देखते हुए शुक्रवार को रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के आवगमन पर रोक रहेगी। यह व्यवस्था लॉन्चिंग कार्य खत्म होने तक जारी रहेगा। हालांकि, कांटाटोली चौक के पास रहने वाले लोगों के लिए इसमें छूट मिलेगी । साथ ही दुर्गा सोरेन चौक से खादगढ़ा बस स्टैंड के निकास द्वार से प्रवेश करने छूट मिलेगी। इस संबंध में गुरुवार रात ट्रैफिक एसपी की ओर से जानकारी दी गयी है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

कुआं की सफाई करने उतरे किशोर की जहरीली GAS से हुई मौत

गोड्डा के ललमटिया क्षेत्र के बड़ा भोड़ाय गांव की घटना, 40 फीट गहरे कूप को साफ करने किशोर और उनके पिता उतरे थे

PHOTON NEWS GODDA: 40 फीट गहरे कुएं की सफाई करने के लिए उतरे किशोर दस वर्षीय मसूद अंसारी की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई है। घटना शुक्रवार की सुबह दस बजे ललमटिया राजमहल परियोजना के खनन प्रभावित पुनर्वास स्थल बड़ा भोड़ाय गांव की है। उक्त गांव के मफिजुद्दीन अंसारी के दस वर्षीय पुत्र मसूद अंसारी अपने पिता के साथ कुएं की गंदगी साफ करने उतरा था। कुआं में उतरने के बाद ही मसूद और पिता का दम घुटने लगा। दोनों ने कुआं के अंदर से चिल्लाना शुरू कर दिया। आवाज सुन घरवाले सहित अगल बगल के लोग वहां दौड़े आए और कुआं से पिता-पुत्र को बाहर निकालने के लिए गांव के चार अन्य युवक भी कुआं के अंदर उतर गए लेकिन इन चारों की भी स्थिति वैसी ही हो गई। इसमें 25 वर्षीय खलीक अंसारी, 25 वर्षीय मुबारक अंसारी , 23 वर्षीय शाहिद अंसारी और 40 वर्षीय इब्राहिम अंसारी कुआं के

- दम घुटने से दोनों की स्थिति खराब होते देख गांव के चार अन्य लोग भी कुएं में गए , सभी विषैली गैस से हुए मूर्छित
- संत लुकास हास्पिटल में किशोर मसूद को मृत घोषित किया गया वहीं पिता सहित पांच लोग अब खतरे से बाहर

अंदर पिता पुत्र के साथ ही मुर्छित होकर वहीं पानी में ढेर हो गए। यह देख कुआं के उपर जुटे ग्रामीणों के होश उड़ गए। लोगों ने तुरंत ललमटिया थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी। कुएं के अंदर जहरीली गैस बन रही थी जिसके कारण कुएं के अंदर प्रवेश करने ही सभी लोग बेहोश हो चुके थे। ललमटिया थाना प्रभारी चंद्रशेखर सिंह ने पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों के

कुएं के अंदर मूर्छित युवक • फोटोन न्यूज

सहयोग से कुएं के अंदर मूर्छित हुए छह लोगों को बाहर निकाला और इलाज के लिए निकट के संत लुकास हेल्थ सेंटर डकैता मिशन भेजा गया । इलाज के दौरान चिकित्सक डा मेरी ने दस वर्षीय मसूद अंसारी को मृत घोषित कर दिया। चिकितसक ने बताया कि दम घुटने से किशोर की मौत हुई है। चिकित्सक ने गंभीर अवस्था में इब्राहिम अंसारी, मुबारक अंसारी और शाहिद अंसारी को बेहतर इलाज के लिए महागामा रेफरल अस्पताल भेज दिया। जबकि मृतक के पिता मफीजुद्दीनअंसारी और दूसरे ग्रामीण मुबारक अंसारी का इलाज संत लुकास हेल्थ सेंटर में हुआ । बाद में इलाज के दौरान मफीजुद्दीनअंसारी और मुबारक अंसारी की स्थिति सामान्य हो गई। वहीं महागामा रेफरल अस्पताल में इलाजरत इब्राहिम अंसारी, मुबारक अंसारी और शाहिद अंसारी भी स्वस्थ हो गए।

किशोर की मौत से गांव में मातमी सन्नाटा : किशोर मसूदा अंसारी की मौत से मफीजुद्दीन अंसारी के परिवार सहित पूरे बड़ा भोड़ाय गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। मसूद की मौत से स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मसूद अंसारी परिवार का बड़ा पुत्र था। उनसे छोटा भाई है। वहीं मफीजुद्दीन को इसके अलावा चार पुत्रियां भी हैं। बड़ा भोड़ाय ओबी डंप के निकट मफीजुद्दीन के घर के पास ही ईसीएल की ओर से वर्ष 1918-19 में कूप निर्माण कराया गया था। उक्त कूप में मोटर भी लगा था। इसके पानी को लोग स्नान आदि करने के लिए उपयोग करते थे। बड़ा भोड़ाय में इन दिनों अधिकांश कुएं सूख गए हैं। मफीजुद्दीन के घर के पास भी उक्त कूप में मात्र दो फीट ही पानी है।

ललमटिया क्षेत्र के बड़ा भोड़ाय ओबी डंप के पास कुएं की सफाई करने उतरे बालक की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हुई है। बालक और उनके पिता को बचाने के लिए गांव के चार अन्य लोग भी जहरीली गैस के कारण मूर्छित हो गए थे। अस्पताल में सबों का इलाज कराया गया। सभी अब खतरे से बाहर हैं। चिकित्सकों के अनुसार कुएं के अंदर इन सबों के दम घुटने की वजह जहरीली गैस ही है। मृत बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पिता के आवेदन के आधार पर यूडी केस दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। - चंद्रशेखर सिंह, थाना प्रभारी, ललमटिया।

राशन डीलरों को आठ माह से कमीशन नहीं

2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी

बीडीओ को ज्ञापन सौंपते राशन डीलर • फोटोन न्यूज

- एनएफएसए व पीएमजीकेएवाई का कमीशन दिलाने को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

चाईबासा : तांतनगर प्रखंड के राशन डीलरों को पिछले 8 माह से एनएफएसए व पीएमजीकेएवाई 2022 का कमीशन अब तक नहीं मिला है. इसे लेकर जन वितरण विक्रेताओं की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है. जन वितरण विक्रेता भुखमरी के कगार पर आ गए हैं. प्रखंड के राशन डीलर अब अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने के मूड में हैं. इसे लेकर राशन डीलरों ने शुक्रवार को बीडीओ सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अनंत कुमार को एक ज्ञापन सौंप कर कमीशन दिलाने की मांग की है. कमीशन नहीं मिलने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है. राशन डीलरों का कहना है कि प्रखंड के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को जनवरी से जून माह तक का एनएफसएसए व पीएमजीकेएवाई 2022 का 8 माह का कमीशन अब तक नहीं मिला है. कमीशन नहीं मिलने के कारण जन वितरण विक्रेताओं की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गई है. आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण आगे की वितरण व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाने के लिए असमर्थ हैं. दुकानदारों में आग्रह किया है कि 30 जून तक एनएफएसए और पीएमजीएवाई का कमीशन भुगतान किया जाए. अन्यथा कमीशन नहीं होने पर सभी जन वितरण विक्रेता 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे. मौके पर कृष्णा सिंकु, फूलचांद बिरूली, हरिहर सिंह देवगम, सदानंद सामड, सिद्धेश्वर करोवा, कैलाश कालुंडिया, प्रमिला बिरूली समेत अन्य शामिल थे.

रेल परिचालन बाधित करने के मामले में

खरसावां के पूर्व विधायक को एक साल की सजा

PHOTON NEWS CHAIBASA: खरसावां के पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के न्यायाधीश ऋषि कुमार ने दोषी करार देकर एक वर्ष की सजा सुनायी है. उन पर 27 नवंबर 2011 को राजखरसावां रेलवे स्टेशन में समर्थकों के साथ रेल परिचालन बाधित करने का आरोप है. इस मामले में आरपीएफ के एएसआइ एसबी लामा ने आरपीएफ पोस्ट सीनी में पूर्व विधायक सोय समेत 50 अन्य कार्यकताओं के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था. दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि 27 नवंबर 2011 को राजखरसावां रेलवे स्टेशन की लाइन संख्या सात में

चाईबासा कोर्ट में वकील व समर्थकों के साथ पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय

सुबह 9.55 से एक बजे तक भाजपा का बैनर व झंडा लेकर करीब 50 अन्य कार्यकताओं के साथ इस्पात एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को लेकर ट्रेन परिचालन बाधित किया था. मंगल सिंह सोय पर 174(ए) रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय ने कहा कि चाईबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं. कोर्ट के निर्णय पर आगे अपील करेंगे.उन्होंने बताया कि कोर्ट के निर्णय पर आगे अपील करेंगे. उन्होंने बताया कि यह मामला राजखरसावां रेलवे स्टेशन में इस्पात एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन से जुड़ा हुआ है. उन्होंने बताया कि जनहित से जुड़े मामलों में हमेशा पूरी संजीदगी के साथ कार्य करेंगे. जनहित में आगे भी कार्य करते रहेंगे. मामुल हो कि मंगल सिंह सोय वर्ष 2009 में खरसावां से बीजेपी के विधायक रहे हैं.

राजस्थान परिषद के अध्यक्ष बने संतोष अग्रवाल, सचिव बने विनोद नरेड़ी

PHOTON NEWS ROURKELA : सामाजिक संगठन राजस्थान परिषद का चुनाव रविवार को सुबह 9 बजे से 2 बजे तक अमर भवन परिसर में आयोजित होगा। चुनाव को लेकर अमर भवन परिसर में पूर्व अध्यक्षों की बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक में अध्यक्ष पद के दावेदार संतोष अग्रवाल एवं सुरेश केजरीवाल समेत अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण बैठक की। पूर्व अध्यक्षों की पूरी बात सुनने के साथ आपस में बातचीत करके समाज को एकजुट करने के साथ-साथ पूर्व अध्यक्षों की सलाह एवं राजस्थान परिषद की गरिमा को

देखते हुए सुरेश केजरीवाल ने अपना नाम वापस ले लिया। संतोष अग्रवाल के शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने होने से संतोष अग्रवाल को राजस्थान परिषद का अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष जुगल किशोर मारोठिया एवं वरुण सोमानी, सचिव विनोद नरेड़ी,कोषाध्यक्ष विनय शर्मा सह कोषाध्यक्ष मनीष राज केडिया निर्विरोध चुने गए। सह सचिव पद रिक्त है। संरक्षक पद के लिए विनोद कुमार मोदी एवं जुगल किशोर शर्मा दावेदार है। 15 कार्यकारिणी सदस्यों को भी सर्वसम्मति से चुना गया। 15 कार्यकारिणी सदस्यों में दिलीप शर्मा, लक्ष्मी नारायण शर्मा, दीपक मोदी, नेबू जैन, संजय खीरवाल, मनीष मोदी, अभय अग्रवाल, अनूप मोदी ,अशोक अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, गौरव चौधरी, सुरेश कुमार केडिया, धनराज अग्रवाल, ललित केजरीवाल, प्रकाश पोद्दार शामिल है। नवनियुक्त अध्यक्ष संतोष अग्रवाल को फूलों का गुलदस्ता देकर शुभकामना दी गई। राजस्थान परिषद की अमर भवन में वर्तमान अध्यक्ष शैलेंद्र मारोठिया, सचिव पवन गिरिया, वरिष्ठ सदस्य विक्रम बोथरा का भी के इस पहल ने शांति पूर्ण चुनाव कराने में सहायक साबित हुआ।

प्रदेशभर में लागू होगा प्रोजेक्ट रेल, सुधरेगी सरकारी स्कूलों की शिक्षण व्यवस्था

PHOTON NEWS KODERMA: शिक्षा में व्यापक सुधार को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन की पहल से जिले में संचालित प्रोजेक्ट रेल (रेगुलर एसेसमेंट फार इम्प्रुव्ड लर्निंग) व प्रोजेक्ट इंपेक्ट जल्द ही पूरे राज्य में लागू होगा। कोडरमा में इस अभियान का स्कूली शिक्षण व्यवस्था में जबर्दस्त सुधार हुआ है। पिछले दो सालों से जैक बोर्ड के दसवीं परीक्षा परिणाम में कोडरमा शीर्ष पर रहा है। इसको लेकर डीसी ने राज्य के सभी जिलों के एडीपीओ को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। जेईपीसी रांची के सभागार में राज्य के सभी जिलों के एडीपीओ जुटे थे। इस दौरान उपायुक्त ने कोडरमा जिला के सरकारी विद्यालय के बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए चलाए जा रहा प्रोजेक्ट रेल और प्रोजेक्ट इंपैक्ट के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ सालों से जिले में लगातार प्रोजेक्ट रेल के तहत वीकली टेस्ट लिया जा रहा है। बच्चों की तैयारी की मानिटरिंग की जा रही है। बच्चों को माडल सेट देकर परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट इंपैक्ट के माध्यम से सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता, आधारभूत संरचना आदि में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकारी स्कूल की व्यवस्था को सुधार लाना है, अच्छा स्कूल बनाना है, जहां सभी बच्चे नामांकन कराना चाहें।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अग्रणी जिला बैंक के संयोजन से वित्तीय साक्षरता प्रश्नोतरी कार्यक्रम का आयोजन

PHOTON NEWS HAZARIBAG: भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अग्रणी जिला बैंक के संयोजन से वित्तीय साक्षरता प्रश्नोतरी कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 23 जून को हजारीबाग जिले के होटल विनायक में आयोजित किया गया। इसमें हजारीबाग जिले 16 प्रखंडो के चनियत विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बडकागांव प्रखंड के हिमांशु राज एवं गुंजन मेहता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही द्वितीय स्थान पर सदर प्रखंड के शिवानी कुमारी और अमीषा कुमारी रही एवं तृतीय स्थान पर अनुष्का कुमारी गुप्ता और श्रेया

वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में पदक के साथ विजेता • फोटोन न्यूज

आनंद ने बाजी मारी। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए क्रमशः रूपए 10000 7500 एवं 5000 कि राशि विजेताओ के बचत खाता में डाली जायेगी। नकद पुरस्कार के अलावा विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता विद्यालय को अब राज्य स्तर पर हजारीबाग जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों में उत्साह चरम पर था। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी धरमवीर सिंह, हजारीबाग जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक राकेश आजाद, हजारीबाग एफएलसी उदय शंकर मिश्रा एवं प्रमुख गणमान्य पदाधिकारीगण के आलावे भाग लेने आये हुए विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण मौजूद थे। आरबीआई एवं अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों के बीच वित्तीय जागरूकता के सम्बन्ध में भी विचार व्यक्त किया गया। उपस्थित शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने आरबीआई के इस पहल कि सराहना की।

ट्यूब के सहारे मसानजोर डैम में नहाने गए एक ही परिवार के तीन सदस्य डूबे

PHOTON NEWS DUMKA: दुमका के मसानजोर डैम में शुक्रवार की दोपहर नहाने गए गए एक ही परिवार के रंजीत पुजहर उसका चार वर्षीय पुत्र अरुण पुजहर और छह वर्षीय पुत्री सिंपी पुजहर डैम में डूब गए। रंजीत अपनी पत्नी निशा पुजहर एवं पुत्र अरुण व पुत्री सिंपी के साथ डैम में नहाने गया था। उसकी पत्नी निशा डैम के किनारे पत्थर पर कपड़ा साफ करने लगी और रंजीत अपने पुत्र और पुत्री के साथ ट्यूब पर बने मचान पर बैठ कर डैम में नहाने चला गया। इसी दौरान ट्यूब असंतुलित हो गया और तीनों गहरे पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर मसानजोर पुलिस की मदद से डैम से छह वषीर्या पुत्री सिंपी पुजहर का शव बरामद किया गया है। जबकि शेष दो की तलाश जारी है। रंजीत दोनों हाथ से दिव्यांग था। पति व बच्चों को डूबता देख पत्नी निशा शोर मचाते हुए झाझापाड़ा की ओर भागी और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण और मसानजोर थाना के प्रभारी सुगना मुंडा दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। इसके उपरांत गोताखोरों और जाल की मदद से बेटी का शव निकाला गया जबकि पिता और पुत्र की तलाश जारी है।

यूजी सेमेस्टर-5 के विद्यार्थियों को प्रोमोट करने की मांग को लेकर छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक को सौंपा ज्ञापन

UG SEMESTER-5 के विद्यार्थियों को प्रोमोट करें, अन्यथा उग्र आंदोलन करेंगे विद्यार्थी

PHOTON NEWS CHAIBASA: कोल्हान विश्वविद्यालय स्नातक सेमेस्टर-5 सत्र 2020-23 के छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक अजय कुमार चौधरी को ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों को प्रोमोट करने की मांग की है। विद्यार्थियों का कहना है कि स्नातक सत्र 2020-23 सेमेस्टर 5 के छात्रों का कोर्स में विलंब हो रही है। इस कारण से छात्र अन्य विश्वविद्यालयों में नामांकन से वंचित हो रहे हैं। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं बहालियों से भी वंचित हो रहे हैं।। इसलिए कोल्हान विश्वविद्यालय से आग्रह है कि स्नातक 5वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रोमोट किया जाय। ताकि सही समय में विद्यार्थियों को डिग्री मिल

केयू के परीक्षा नियंत्रक को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी • फोटोन न्यूज

सके। विश्वविद्यालय छात्र हित में इसपर सकारात्मक विचार करें। अन्यथा हम सभी छात्र उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस पर परीक्षा नियंत्रक अजय कुमार चौधरी ने कहा कि परीक्षा को रदद कराना मेरे हाथ में नहीं है। विद्यार्थियों की जो भी समस्याएं हैं उन्हें उच्च पदाधिकारियों के साथ मिलकर विचार-विमर्श करेंगे।

यूजी सेम– 5 की परीक्षा 11 जुलाई से

बता दें कि कोल्हान विवि ने दो दिन पूर्व ही यूजी सेमेस्टर-5 की परीक्षा को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के तहत 11 जुलाई से परीक्षा होनी है। इसके लिए परीक्षा विभाग ने प्रोग्राम भी जारी कर दी है।

मौके पर टाटा कॉलेज के छात्रसंघ प्रतिनिधि मंजीत हांसदा, दीपक बारला, शेखर गुप्ता, श्रीराम बानरा, हेमंत कालुंडिया, जयंत कुमार बाउरी, प्रधान सिंह हांसदा समेत विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी शामिल थे।

चीन में दौड़ेगी कुमारडुंगी की बसंती, उपायुक्त ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

PHOTON NEWS CHAIBASA: पश्चिम सिंहभूम जिला अंतर्गत कुमारडुंगी प्रखंड की बसंती कुमारी चीन में दौड़ेगी. 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चीन के चेंगदू में होने वाली वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में बसंती का चयन हुआ है. इस गेम्स में वह 10000 मीटर दौड़ स्पर्धा में अपनी दावेदारी प्रस्तुत करेगी. यदि सबकुछ ठीकठाक रहा तो वह विदेश में अपनी परचम लहराएगी. इसके पूर्व बसंती कुमारी ने 29 से 31 मई तक लखनऊ में आयोजित तीसरी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 10000 मीटर में स्वर्ण पदक एवं 5000 मीटर में रजत पदक अपने नाम कर चुकी है.

विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल ने अपने कार्यालय कुमारडुंगी प्रखंड की खिलाड़ी बसंती कुमारी को स्मृति चिन्ह एवं ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया इस

बसंती को सम्मानित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल • फोटोन न्यूज

दौरान उपायुक्त ने बसंती कुमारी को अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदौलत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में पश्चिमी सिंहभूम जिले का नाम रोशन करने एवं आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी. साथ ही जिला खेल पदाधिकारी को खेल से संबंधित खेल किट तथा अन्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिया. इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी, चाईबासा जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव अजय कुमार नायक, तीरंदाजी कोच हरेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे.

JAMSHEDPUR के मोहम्मद फहीम व वहीद ने हरियाण में 26 करोड़ का किया फर्जीवाड़ा

पुलिस ने किया गिरफ्तार, दोनों के घर से भारी मात्रा में जेवरात व नकद राशि बरामद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: गुरुवार को देर शाम हरियाणा पुलिस ने जुगसलाई छापेमारी कर दो ठगों को गिरफ्तार किया है। हरियाणा पुलिस के साथ जुगसलाई थाने के पुलिस अधिकारी भी थे। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह की पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर गौरी शंकर रोड मच्छी मोहल्ला निवासी मोहम्मद फहीम और जुगसलाई होमा लाइन के पीछे रहने वाले वहीद अहमद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार इन दोनों पर करीब 26 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप है। ये दोनों अपना नाम बदलकर लोगों से ठगी करते थे। इनके पास से पुलिस ने लाखों के जेवरात समेत नकद राशि भी बरामद किया है। हालांकि पुलिस अभी इस संबंध में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। लेकिन दोनों को जुगसलाई थाने में लाकर पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार यहां जमशेदपुर पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंचे हैं। संभवत शनिवार को इन्हें कोर्ट में पेश कर ट्रांजिस्ट रिमांड पर हरियाण पुलिस अपने साथ लेकर जाएगी।

आरोपियों को गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस • फोटोन न्यूज

घटना को हरियाणा में ही दिया था अंजाम: मिली जानकारी के अनुसार दोनों आरोपियों ने हरियाणा में एक ठगी की घटना को अंजाम दिया था। जिस फोन नंबर से ठगी की गई थी उसके खिलाफ थाने में शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद पुलिस नंबर ट्रेस करते हुए शुक्रवार सुबह जमशेदपुर पहुंची और जुगसलाई पुलिस की मदद से छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया.

गिरोह के दूसरे सदस्यों की भी हो रही तलाश: इन दोनों का गिरफ्तार करने के बाद पुलिस इनके पूरे नेटवर्क को खंगालने का प्रयास कर रही है। इनके साथ-साथ इनके गिरोह में और कौन-कौन हैं इस पर भी पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। इसके लिए अलग अलग टीमें बनायी गयी हैं। जो लगातार छापेमारी कर रही है।

फर्जीवाड़ा कर करोड़ो की संपत्ति बनाई: पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों ने फर्जीर्वाड़ा कर के करोड़ों की संपत्ति बनाई गई है। इन्होंने फर्जी देस्तावेज का प्रयोग कई लोगों को ठगा है। जो जांच का विषय है।

एनएच-33 पर पिकअप वैन ने खड़े ट्रेलर में पीछे से ठोका, दो घायल

एमजीएम में कराया गया भर्ती, दोनों की स्थिति गंभीर

एनएच पर दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वैन व इनसेट में वैन में फंसा ड्राइवर • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: नेशनल हाइवे-33 स्थित पारडीह काली मंदिर से थोड़ा आगे शुक्रवार की दोपहर हुई सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए। पिकअप वैन व ट्रेलर के बीच टक्कर इतनी जोरदार हुई कि आस-पास के लोग भी जुट गए और घायलों को नजदीकी के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। वहीं, थोड़ी ही देर के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों का कहना है कि दोनों ही घायलों की स्थिति गंभीर है। ऐसे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। अगले 24 घंटे इनके लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एमजीएम में भर्ती दोनों घायलों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। घटना को लेकर स्थानियों लोगों ने बताया कि पिकअप वैन ने सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर को पीछे से धक्का मार दिया। पिकअप वैन की स्पीड ज्यादा होने से चालक नियंत्रण खो दिया।

होटल बुलेवर्ड में संपन्न हुआ इनर व्हील क्लब का वार्षिक मीटिंग, अर्चना शेखर बनीं अध्यक्ष

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: इनर व्हील क्लब जमशेदपुर का वार्षिक मीटिंग आज होटल बुलेवर्ड में संपन्न हुआ। इसके तहत वर्तमान में अध्यक्ष अमृता राव ने अपनी आने वाली अध्यक्ष अर्चना शेखर को अपना कार्यभार सौंपा जिसके तहत वो अपना कार्य जुलाई के पहले सप्ताह से कर सके। वर्तमान की अध्यक्ष अमृता राव ने अपनी सभी पूर्व अध्यक्ष, क्लब की सदस्यों को सम्मानित किया। जिन्होंने उन्हें पूरे साल कार्य करने में सहयोग किया।

सेक्रेटरी सारिका सिंह ने बढ़ चढ़ कर उनका साथ दिया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डॉ रीता झा उपस्थित थी। सभी पूर्व अध्यक्ष एवम क्लब की सदस्यों ने इसे सफल बनाने में उपस्थित होकर अपना कीमती वक्त दिया।

भाजमो ने बनाई तीन सदस्यीय जांच समिति

Jamshedpur: मनीफिट उड़िया बस्ती निवासी दो भाई विश्वनाथ घोष एवं गोपाल घोष की पारिवारिक लड़ाई में टेल्को पुलिस द्वारा विश्वनाथ घोष को जेल भेज देने के मामले में निष्पक्ष जाँच के लिए भाजमो ने तीन सदस्यीय जांच समिती बनाई है।

मामले की निष्पक्ष जाँच और वास्तविक वस्तुस्थिति की जानकारी हेतु विधायक सरयू राय के दिशानिर्देश पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा, जमशेदपुर महानगर के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।

सुखनाबस्ती के लोगों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: डिमना स्थित सुखनाबस्ती के लोगों ने शुक्रवार को उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जयपाल कॉलोनी डिमना में बन रहे अवैध मकान को रोकने के लिए दिया गया है। बस्तिवासियों ने ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त को बताया कि जयपाल कॉलोनी और बालीगुमा सुखना बस्ती को जोड़ने वाले स्थान पर जयपाल कॉलोनी वासी मनोज सिंह द्वारा अवैध रूप से मकान निर्माण किया जा रहा है। जो गैर कानूनी है। साथ ही बताया कि डिमना डैम से एक नाला

सुखना बस्ती होते हुए स्वर्ण रेखा नदी में मिला है। इसी नाले की भूमि को अतिक्रमण कर मकान का निर्माण किया जा रहा है। इसी नाले के ऊपर पुल का भी निर्माण होना है। जिसके लिए पिछले दिनों रांची से एक टीम भी आकर निरीक्षण कर चुकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि नाले की चौड़ाई लगभग 200 फीट है। जिसका लगभग 50 फीट मनोज सिंह द्वारा अतिक्रमण किया गया है। जिससे बरसात के समय नाले का जलस्तर बढ़ने से सुखना बस्ती में पानी घुसने का खतरा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से अनुरोध करते हुए कहा कि नाला को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। ताकि भविष्य में बस्ती वासियों होने वाले समस्या ने निजात मिल सके। साथ ही अतिक्रमण कर मकान बना रहे मनोज सिंह के ऊपर कानूनी करवाई करने का भी आग्रह किया गया। ज्ञापन का प्रतिलिपि वरीय पुलिस अधीक्षक, जमशेदपुर, अनुमंडल पदाधिकारी जमशेदपुर, अंचल अधिकारी, मानगो, मानगो नोटिफाई कमिटी को भी दिया है।

वीमेंस विवि के कुलपति के कार्यकाल को एक वर्ष पूरा, शिक्षक संघ ने आयोजित किया कार्यक्रम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: वीमेंस यूनिवर्सिटी के शिक्षक संघ ने कुलपति प्रो।(डॉ।) अंजिला गुप्ता के पदभार ग्रहण और विश्वविद्यालय के कार्यात्मक स्वरूप के एक वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कुलपति को सम्मानित किया गया। मौके पर यूनिवर्सिटी की परीक्षा नियंत्रक डॉ रमा सुब्रमणियन, डीएसडब्ल्यू डॉ किश्वर आरा एवं वाणिज्य संकायाध्यक्ष डॉ दीपा शरण आदि उपस्थित थे। टीचर्स एसोसिएशन ऑफ जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी (टीएजेडबल्यूयू) के अध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वित्त पदाधिकारी डॉ। जावेद अहमद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को याद किया। रजिस्ट्रार डॉ। राजेंद्र जायसवाल एवं प्रॉक्टर डॉ। सुधीर कुमार साहू ने भी अपने विचार साझा किये। सभी शिक्षकों ने प्रगति की राह की बाधाओं से निपटने के लिए कुलपति के साथ मिलकर काम करने का दृढ़ निश्चय किया जिससे कि यूनिवर्सिटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। वहीं कुलपति ने एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की, उन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताया और अनुसंधान पर विशेष जोर देने के साथ विश्वविद्यालय को पूरी तरह उत्कृष्ट संस्थान बनाने का दृढ़ संकल्प दोहराया। उन्होंने अनुसंधान कार्यों को उन्नत करने के लिए विभिन्न योजनाओं की घोषणा भी की। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान कार्यों में शामिल लोगों के लिए अनुसंधान प्रोत्साहनों की चर्चा की।

वीमेंस कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कुलपति व अन्य • फोटोन न्यूज

बेहतर प्रकाशन और शोध आधारित आलेख पर पुरस्कार देने के प्रावधान की चर्चा की। उन्होंने विश्वविद्यालय में होने वाले आगामी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में भी घोषणा की, उन्होंने कहा कि वह विश्वविद्यालय की शैक्षिक और बुनियादी ढांचागत दोनों जरूरतों के बारे में चिंतित हैं। कार्यक्रम का संचालन संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ। सनातन दीप व अमृता कुमारी द्वारा कई अद्भुत प्रस्तुतियों के साथ किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ। नुपुर अन्विता मिंज ने किया।

डॉ मोहित कुमार बने जेकेएस कॉलेज मानगो के नए प्राचार्य

शासी निकाय की बैठक में लिया गया फैसला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जेकेएस कॉलेज मानगो के प्राचार्य पद से डॉ एपी सिंह की छुट्टी हो गयी है। उनकी जगह कॉलेज में वरीय शिक्षक डॉ मोहित कुमार को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है। शुक्रवार को कॉलेज सभागार में कॉलेज के शासी निकाय की बैठक हुई, यह फैसला लिया गया। हालांकि इसकी सूचना पहले से ही होने की वजह से डॉ एपी सिंह ने पहले ही अपना त्यागपत्र दे दिया था।

नये प्राचार्य को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित करते सांसद • फोटोन न्यूज

बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए डॉ मोहित कुमार को प्रभारी प्रचार्य का नियुक्ति पत्र निर्गत कर दिया गया। डॉ एपी सिंह पिछले 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने के बाद भी पद पर बने हुए थे। इस एवज में उन्हें कॉलेज से प्रतिमाह 50 हजार रुपए का भुगतान किया जाता था। जिसका कॉलेज के शिक्षकों ने विरोध करते हुए कोल्हान विश्वविद्यालय से शिकायत की थी। इसके बाद ही यह बदलाव हुआ है। बैठक में कॉलेज विकास, एडमिशन समेत अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। वहीं डॉ मोहित कुमार को प्रभारी प्राचार्य बनाये जाने पर सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें बधाई दी। इस बैठक में कॉलेज के विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ पीके पाणि, जमशेदपुर सांसद सह कॉलेज के चेयरमैन बिद्युत वरण महतो, सचिव डॉ राजीव कुमार, शिक्षाविद अरुण कुमार ठाकुर शामिल हुए।

पोस्ट फेस्टर बजट को मंजूरी : विश्वविद्यालय की ओर से सभी संबद्ध, अल्पसंख्यक और अनुदानित कॉलेजों के लिए विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों की नियुक्ति किये जाने के बाद जेकेएस कॉलेज में शासी निकाय की यह प्रथम बैठक थी। बैठक में कॉलेज के पोस्ट फेस्टर बजट पर विचार करते हुए मंजूरी दी गयी। साथ ही कर्मचारियों के वेतन के मसले पर विचार-विमर्श अगली बैठक में करने पर सहमति बनी।

NIT जमशेदपुर में बीटेक की 19.97 पतिशत जबकि IIT धनबाद में सिर्फ 10.4 प्रतिशत सीट लड़कियों लिए है आरक्षित NIT जमशेदपुर में बीटे के 751 सीटों पर होगा दाखिला जबकि IIT धनबाद में 1125 सीटों पर

छात्राओं को आरक्षण देने के मामले में NIT जमशेदपुर IIT धनबाद से आगे

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जेईई एडवांस्ड का परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद अब देश के तमाम आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी में दाखिले की बारी है। इसके लिए ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) सीट मैट्रिक्स जारी कर चुका है। इसके तहत इस बार एनआईटी जमशेदपुर में बीटेक के लिए 751 सीटों पर नामांकन लिया जाएगा। इसमें से 150 सीटें फीमेल सुपरन्यूमेररी के तहत आरक्षित हैं जो केवल छात्राओं के लिए हैं। यह कुल सीटों का 19.97 प्रतिशत है। यहां ओपेन केटेगरी में 289 सीटे हैं और शेष आरक्षित कोटे की हैं। वहीं अगर आईआईटी (आईएसएम) धनबाद की बात करें तो यहां कुल 1125 सीट अलग अलग ब्रांच के लिए निर्धारित हैं। इसमें से 118 सीट फीमेल सुपरन्यूमेररी के तहत आरक्षित हैं। जो कुल सीट का 10.4 प्रतिशत है। ऐसे में छात्राओं को आरक्षण देने में एनआईटी जमशेदपुर आईआईटी धनबाद से कहीं आगे है। विदित हो कि जेईई एडवांस 2023 का परिणाम 18 जून को जारी हो चुका है इसके साथ ही अभ्यर्थियों के लिए एकेडमिक प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन/च्वाइस फीलिंग शुरू हो चुकी है। वहीं 24 जून को रात 8 बजे तक उम्मीदवारों द्वारा भरे गए विकल्पों के आधार पर 25 जून को पहली मॉक आवंटन लिस्ट जारी की जाएगी। 26 जून को शाम 7 बजे तक पूरी की गई अभ्यर्थियों की प्रविष्टियों के आधार पर 27 जून को दूसरा मॉक आवंटन लिस्ट जारी होगा। रजिस्ट्रेशन और च्वाइस फिलिंग 28 जून शाम 7 बजे तक होगी। राउंड 1 सीट आवंटन के रिजल्ट 30 जून को सुबह घोषित होंगे। अधिक जानकारी के लिए छात्र https://josaa.admissions.nic.in पर विजिट कर सकते हैं।

छह राउंड में आयोजित होगी काउंसलिंग : कुल मिलाकर, जोसा काउंसलिंग 2023 छह राउंड में आयोजित की जाएगी, इसके बाद सीएसएबी राउंड होंगे। सीएसएबी दौर केवल एनआईटी+ सिस्टम के तहत सीटों के लिए हैं, न कि आईआईटी के लिए। अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट jossa.nic.in पर विजिट कर सकते हैं।

एनआईटी जमशेदपुर में 4 वर्षीय बीटेक प्रोग्राम की सीटें

सिविल इंजीनियरिंग	:	99
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	:	116
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	:	114
इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	:	116
मेकेनिकल इंजीनियरिंग	:	115
मेटलर्जिकल एंड मेटेरियल इंजीनियरिंग	:	99
प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग	:	62
इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटेशनल मकैनिक्स	:	30

आईआईटी धनबाद में 4 वर्षीय बीटेक प्रोग्राम की सीटें

केमिकल इंजीनियरिग - 44, सिविल इंजीनियरिग - 55, कंप्यूटर साइंस - 111, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिग - 98, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिग - 99, इंजीनियरिग इन फिजिक्स - 25, पर्यावरण इंजीनियरिग - 38, मैकेनिकल इंजीनियरिग - 105, माइनिग इंजीनियरिग - 94, माइनिग मशीनरी इंजीनियरिग - 45, पेट्रोलियम इंजीनियरिग - 72, मिनरल एंड मेटेलरजी इंजीनियरिग - 36, मैथ एंड कंप्यूटर इंजीनियरिग - 44, अप्लाईड जियोलाजी इंजीनियरिग - 17 व अप्लाइड जियोफिजिक्स इंजीनियरिग - 17।

अलग अलग श्रेणियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या इस प्रकार है : 1। ओपन 304 (पीडब्ल्यूडी)
2। जनरल इडब्ल्यूएस-71
3। जनरल इडब्ल्यूएस पीडब्ल्यूडी: 04
4। एससी 113 (पीडब्ल्यूडी)
5। एसटी 56 (पीडब्ल्यूडी)
6। ओबीसी 203 (पीडब्ल्यूडी)

ऑनलाइन रिपोर्टिंग में ये दस्तावेज हैं जरूरी: जोसा काउंसलिंग में सीट आवंटन के बाद विद्यार्थियों को ऑनलाइन रिपोर्टिंग में 10वीं, 12वीं की अंकतालिका, कैटेगरी सर्टिफिकेट, कैंसिल चेक की फॉटोकॉपी, मेडिकल सर्टिफिकेट, जेइइ मेन व एडवांस्ड का प्रवेश पत्र आदि स्कैन कर अपलोड करने होंगे।

इडब्ल्यूएस एवं ओबीसी के विद्यार्थियों को एक अप्रैल 2023 के बाद का कैटेगरी सर्टिफिकेट देना होगा। अन्यथा उनकी कैटेगरी निरस्त कर ओपन रैंक से सीट आवंटित की जाएगी। इसके बाद भी अगर यदि किसी आइआइटी में कोई सीट खाली रहती है, तो काउंसलिंग के दो स्पेशल राउंड होंगे। देश के सभी आइआइटी में 28 जुलाई और एनआइटी में 17 अगस्त से नया सत्र शुरू होगा।

50 प्रतिशत सीट झारखंड के छात्रों के लिए होगा आरक्षित

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में इस बार 751 सीटों के लिए छात्रों की काउंसिलिंग की जानी है।

इसमें 50 प्रतिशत सीटें झारखंड के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। नामांकन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया सितंबर से अक्टूबर तक चलेगी। इसमें विकलांग छात्राओं को प्राथमिकता दी जाएगी और उनकी काउंसिलिंग पहले शुरू होगी। वहीं आईआईटी धनबाद में स्थानीय स्तर पर किसी भी प्रकार का आरक्षण नहीं दिया गया है।

क्या है जोसा

क्या है जोसा: जॉइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी, शिक्षा मंत्रालय की एक बॉडी है। इसका काम देश के 114 प्रीमियम इंस्टीट्यूट्स में एडमिशन के लिये जॉइंट सीट एलोकशन को मैनेज करना है। इन 114 इंस्टीट्यूट्स में 23 आईआईटी, 31 एनआईटी, 26 ट्रिपल आईटी के अलावा इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईआईईएसटी) और 33 गवर्नमेंट फंडेड टेक्निकल इंस्टीट्यूट्स (जीएफटीआई) शामिल हैं। इन सारे इंस्टीट्यूट्स के एकेडमिक प्रोग्राम के लिये एडमिशन इसी सिंगल प्लेटफॉर्म के जरिए होता है।

जरूरी है बातचीत

अभी जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं, पेइचिंग से अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात की अच्छी खबर आई है। हालांकि ब्लिंकन की दो दिवसीय चीन यात्रा में दोनों देशों के बीच किसी विवादित मसले पर कोई बड़ी सहमति नहीं बनी, लेकिन फिर भी यह यात्रा पॉजिटिव संदेश देने में कामयाब रही। यात्रा के आखिरी दिन सोमवार को ब्लिंकन की शी चिनफिंग से भी मुलाकात हुई और उसके बाद दोनों देशों ने इस बात पर हामी भरी कि आपसी रिश्तों में स्थिरता लाने की जरूरत है ताकि उनकी प्रतिद्वंद्विता संघर्ष में न बदल जाए। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के तनावपूर्ण संबंधों के बीच बनी न्यूनतम सहमति भी राहत की बात है। ध्यान रहे, ब्लिंकन की यह यात्रा बड़ी मुश्किल से संभव हुई। 2018 के बाद से यह किसी अमेरिकी विदेश मंत्री की पहली चीन यात्रा है। यह इस साल फरवरी में ही होने वाली थी। लेकिन तब अमेरिकी वायु सीमा क्षेत्र में चीन के कथित जासूसी गुब्बारा पाए जाने पर हुए विवाद के चलते इसे टाल दिया गया था। बहरहाल, इस यात्रा का जो तात्कालिक मकसद था, वह पूरा होता दिख रहा है। तनाव में कमी साफ नजर आ रही है। दोनों तरफ से यात्राओं और बातचीत का सिलसिला जारी रखने की बात तय हुई है।

आगामी महीनों में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात की भी संभावना है। मगर इन तमाम अच्छी बातों के बीच भी इस ठोस हकीकत को नहीं भुलाया जा सकता कि तमाम अहम मसलों पर दोनों देशों का परस्परविरोधी रुख पूरी तरह कायम है। चीन ने ब्लिंकन की यात्रा के दौरान भी साफ कहा कि अमेरिका को उसके आंतरिक मामलों में दखलंदाजी बंद करनी चाहिए। उसका इशारा ताइवान की ओर था, जिसे वह अपना हिस्सा मानता है। साउथ चाइना सी में भी चीनी रवैये में बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं। यूक्रेन युद्ध पर वह जिस शिद्दत से रूस का साथ दे रहा है, उस मामले में भी चीन की सोच बदलना अमेरिका के लिए मुश्किल है। सवाल और भी हैं। जिन वजहों से अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति बनी, वे भी अपनी जगह बरकरार हैं। जाहिर है, ऐसे में दोनों देशों के रुख में बड़े बदलाव की उम्मीद कम से कम निकट भविष्य में नहीं की जा सकती। लेकिन हितों का टकराव और आपसी मतभेद चाहे जितने भी हों, संवादहीनता और अनिश्चितता के हालात नहीं बनने चाहिए। इस लिहाज से अगर दुनिया के इन दो बड़े देशों में शीर्ष स्तर पर मुलाकात और संवाद की निरंतरता बनती है तो यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी। भारत और चीन के आपसी रिश्तों को सुलझाने के लिहाज से भी वह माहौल ज्यादा सहायक हो सकता है।

डायबिटीज की चुनौती

डायबिटीज अब गंभीर समस्या बन चुकी है। देश में तेजी से डायबिटीज के मरीज बढ़ रहे हैं। हाल ही में आए ताजा आंकड़ों ने और चिंता बढ़ा दी है। डायबिटीज को लेकर आई ICMR की ताजा स्टडी को एक चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आए ताजा आंकड़े निश्चित रूप से चौंकाने वाले हैं, लेकिन इन्हें चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-माने हेल्थ जर्नल 'लांसेट' में प्रकाशित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) की ताजा स्टडी के मुताबिक देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गई है। हैरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो बात इन आंकड़ों को ज्यादा गंभीर बनाती है वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मामलों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है तो 15.3 फीसदी लोग प्री-डायबिटीज श्रेणी में हैं। प्री-डायबिटीज कैटिगरी में उन लोगों को रखा जाता है जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इतना ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की कैटिगरी में शामिल किया जा सके। ये ऐसे लोग होते हैं जिनके डायबिटिक होने का अंदेशा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई मामला डायबिटीज में शामिल होगा या नहीं और होगा तो कितने समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक्सपर्ट्स आम तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं।

दूसरे एक तिहाई मामले प्री-डायबिटीज कैटिगरी में ही बने रहते हैं जबकि आखिरी एक तिहाई जीवनशैली में बदलाव और ऐसे अन्य उपायों से बेहतर होकर नॉर्मल स्थिति में लौट जाते हैं। अगर प्री-डायबिटीज के एक तिहाई मामले भी डायबिटीज में कन्वर्ट हुए तो स्वास्थ्य के मोर्चे पर अगले कुछ वर्षों में गंभीर चुनौती पैदा हो सकती है। खासकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां हर एक डायबिटिक व्यक्ति पर प्री-डायबिटीज के क्रमशः चार और तीन मामले बताए जा रहे हैं। इन हालात में खास तौर पर किडनी पेशंट्स की संख्या में इजाफा होने जैसी स्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। ऐसे कई मरीजों को डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। न केवल ऐसी मशीनें कम हैं और ज्यादातर शहरी केंद्रों तक सीमित हैं बल्कि उनका बेहद खचीर्ला होना भी उन्हें ज्यादातर किडनी मरीजों की पहुंच से दूर कर देता है।

विश्व शांतिदूत मोदी की अमेरिका यात्रा के नए संदेश

MY STORY

कैलाश विजयवर्गीय

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश अमेरिका और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की प्रगाढ़ मित्रता का उदाहरण देते हुए दुनिया में लोकतांत्रिक शक्तियों के भविष्य के लिए शुभ संकेत दिए हैं। उनका यह कहना कि भारत-अमेरिका की साझेदारी लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छी है और बेहतर भविष्य और भविष्य के लिए बेहतर दुनिया के लिए यह अच्छी है। मोदीजी के इस विश्वास से तानाशाही से संकट झेल रहे देशों के नागरिकों को लोकतंत्र के उदय होने की उम्मीद बंधेगी। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की स्वतंत्रता के बाद ही दुनिया के परतंत्र देश स्वतंत्र देश हुए। मोदीजी ने मार्टिन लूथर किंग और महात्मा गांधी का प्रभाव बताते हुए यह संदेश भी दिया की भारत की जड़ें अमेरिका में मजबूत हैं। इसका एक बड़ा उदाहरण अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी संसद को दूसरी बार संबोधित करते हुए विश्व के सामने देश की सशक्त तस्वीर ही प्रस्तुत नहीं की, बल्कि यह भी बता दिया विश्व के समक्ष चुनौतियों का भारत अमेरिका के साथ मिलकर मुकाबला करने में सक्षम है। जल्दी ही विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला भारत अमेरिका से साझेदारी करके आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सक्षम होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश अमेरिका और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की प्रगाढ़ मित्रता का उदाहरण देते हुए दुनिया में लोकतांत्रिक शक्तियों के भविष्य के लिए शुभ संकेत दिए हैं। उनका यह कहना कि भारत-अमेरिका की साझेदारी लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छी है और बेहतर भविष्य और भविष्य के लिए बेहतर दुनिया के लिए यह अच्छी है। मोदीजी के इस विश्वास से तानाशाही से संकट झेल रहे देशों के नागरिकों को लोकतंत्र के उदय होने की उम्मीद बंधेगी। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत की स्वतंत्रता के बाद ही दुनिया के परतंत्र देश स्वतंत्र देश हुए। मोदीजी ने मार्टिन लूथर किंग और महात्मा गांधी का प्रभाव बताते हुए यह संदेश भी दिया की भारत की जड़ें अमेरिका में मजबूत हैं। इसका एक बड़ा उदाहरण अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का बताया।

ए-आई का अर्थ अमेरिका और भारत बताते हुए स्पष्ट कर दिया कि यह दोस्ती विश्व को नई राह दिखाएगी। उनकी इस राय से कि कुछ वर्षों में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बहुत तरक्की हुई है लेकिन साथ-साथ ही एक अन्य ए-आई यानी भारत-अमेरिका के रिश्तों में भी महत्वपूर्ण प्रगति से दोनों देशों के बीच नए आर्थिक साझेदारी से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी संसद में भाषण के माध्यम से विश्व को यह संदेश भी दिया कि भारत के कारण विश्व में लोकतंत्र पनपा है। भारत में 2500 राजनीतिक दल, 22 सरकारी भाषाएं, हजारों बोलियां और हर सौ मील पर विभिन्न प्रकार भोजन के बावजूद लगातार तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए देश में आम लोगों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। प्रधानमंत्री का 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' दृष्टिकोण से उन लोगों की आंखें भी खुलनी चाहिए जो, विदेशों में भारत की छवि को राजनीतिक कारणों से उपजी हताशा के कारण धूमिल करते हैं। भारत में चार करोड़ लोगों को घर दिए गए हैं। पांच करोड़ लोगों को निशुल्क चिकित्सा सहायता दी जाती है। मोदीजी की इन घोषणाओं से दुनिया की आबादी के छठे हिस्से भारत में आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की वास्तविक तस्वीर सबके सामने आई है।

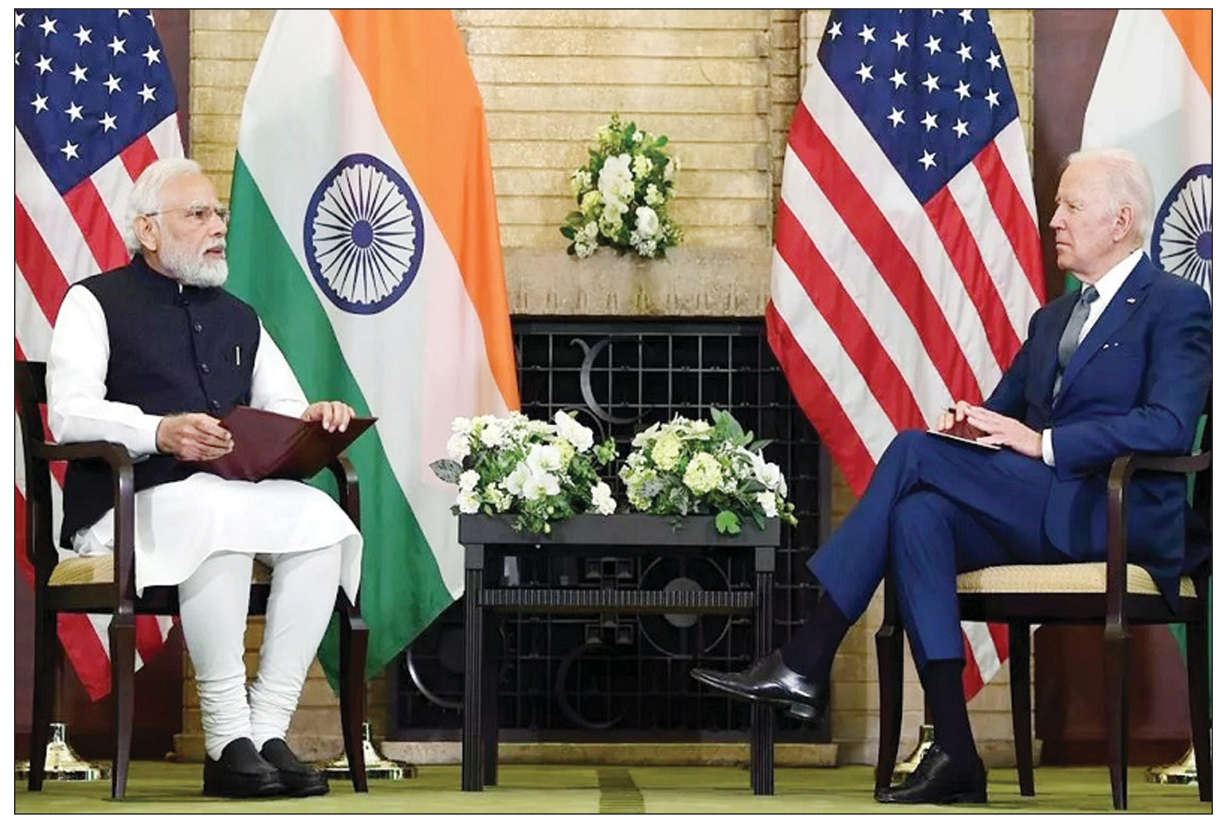

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के माध्यम से दुनिया में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को चेतावनी ही नहीं दी, बल्कि आतंकवाद की समाप्ति के सकंल्प को भी दोहराया। मोदीजी ने भाषण में जिक्र किया कि जब वे प्रधानमंत्री के तौर पहली बार अमेरिका आए थे तो भारत अर्थव्यवस्था के मामले में दसवें नंबर पर था। आज भारत पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। आतंकवाद और कोरोना महामारी का मुकाबला करते हुए भारत की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने साफ जता दिया है कि हम न केवल बड़े हो रहे हैं बल्कि तेजी से भी बढ़ रहे हैं। जब भारत बढ़ता है तो पूरी दुनिया बढ़ती है। कट्टरवाद और आतंकवाद को दुनिया के सामने गंभीर खतरा मानते हुए आतंकवाद के नई पहचान और विचारधारा के आधार पर पनपने को उन्होंने नई चुनौती बताया। मोदीजी की इस धारणा से कि आतंकवाद की विचारधारा और नई पहचान मानवता के लिए खतरा है तो हमारा इसे मिटाने का भी पूरा इरादा है। उनका इरादा साफ है कि भारत बढ़ेगा तो दुनिया में शांति आएगी, आतंकवाद समाप्त होगा। विश्व शांतिदूत मोदीजी ने रूस-यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान की बात कही। उन्होंने इस युग को युद्ध नहीं बल्कि रक्तपात और मानवीय पीड़ा को रोकने के लिए संवाद और कूटनीति से हल निकालने मार्ग बताते नया युग बताया। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जोरदार स्वागत किया। अमेरिका में बसे भारतीयों ने मोदी-मोदी के नारे लगाते हुए पलक पांवड़े बिछा दिए। प्रधानमंत्री मोदी की इस अमेरिका यात्रा से कई क्षेत्रों में आर्थिक सहभागिता तो बढ़ेगी, साथ ही विश्व को नई राह भी मिली है।

(लेखक, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं।)

खतरे की घंटी, हरित पट्टी में निर्माण शिमला के लिए घातक

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का संकट गहरा रहा है और पर्यावरण अनुकूल विकास को वक्त की प्राथमिकता बताया जा रहा है, हिमाचल कैबिनेट का हालिया फैसला एक आत्मघाती कदम ही कहा जायेगा। शिमला के पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये घातक साबित हो सकने वाले इस कदम के रूप में हिमाचल कैबिनेट ने शहर की 414 एकड़ में फैली हरित पट्टियों में निर्माण गतिविधियों का रास्ता खोल दिया। जिस पर दशकों तक पर्यावरणीय हितों के मद्देनजर नियामक संस्थाओं ने रोक लगा रखी थी। दरअसल, शीर्ष अदालत के एक फैसले के बाद मंगलवार को शिमला विकास योजना का मसौदा अधिसूचित कर दिया गया। हालांकि, शीर्ष अदालत के फैसले के अनुरूप अधिसूचना के एक माह तक दस्तावेजों को लागू न करने की बात कही गई है। इस मामले में अगली सुनवाई बारह जुलाई को होनी है। निस्संदेह, ये इलाके शिमला की

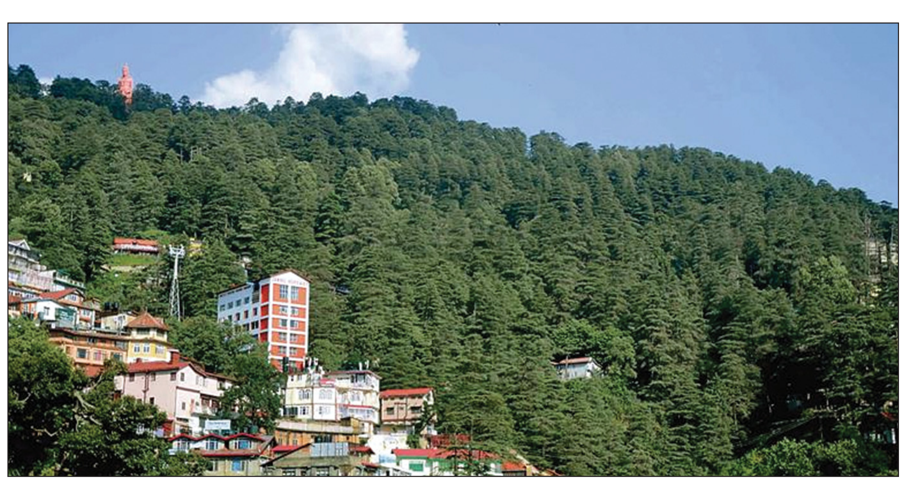

जनता को प्राणवायु का संचरण करते हैं। दूसरे शब्दों में इन्हें पहाड़ों की रानी कहे जाने वाले शिमला के फेफड़े कहा जा सकता है। पहले ही शिमला क्षमता से अधिक आबादी का बोझ झेल रहा है। बढ़ती आबादी के साथ ही लाखों पर्यटकों का दबाव अलग से है। पेयजल से लेकर पार्किंग जैसी तमाम समस्याएं सामने खड़ी हैं। निस्संदेह, ग्रीन बेल्ट पर निर्माण से शहर में कंक्रीट का एक ऐसा जंगल उग आएगा जो शहर का दम घोट सकता है। इसमें दो राय नहीं ग्रीन बेल्ट के बाबत इस फैसले से निर्माण गतिविधियों में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। कहने को तो एक मंजिल तक निर्माण की अनुमति की बात कही जा रही है लेकिन कानून के छिद्रों को तलाशने वाले लोग निस्संदेह, इसका अतिक्रमण करेंगे। वहीं निहित स्वार्थों में लिप्त राजनीति इसके दूरगामी परिणामों को गंभीरता से लेने की कोशिश कभी नहीं करती। यदि सत्ताधीश दूरगामी खतरों को समय रहते भांप लेते तो शिमला के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करते। लेकिन सत्ताधीशों की प्राथमिकता तात्कालिक हित ही होते हैं। उनकी कोशिश वर्ग विशेष को संतुष्ट करने की होती है।

उल्लेखनीय है कि शिमला के पर्यावरण की रक्षा के मद्देनजर वर्ष दो हजार में इन ग्रीन बेल्टों को नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया गया था। दरअसल, विशेषज्ञों और पर्यावरण प्रभावों के अध्ययन के निष्कर्षों का समर्थन करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के फैसले तथा हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने तब से इस पर लगाये गये प्रतिबंध को बरकरार रखा था। इसमें दो राय नहीं कि राज्य में रियल एस्टेट लॉबी की इस फैसले को बदलवाने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर इन ग्रीन बेल्टों में मुख्य संपत्ति के मालिकों ने इस मुद्दे को लंबे समय तक कानूनी लड़ाई में उलझाये रखा था। अफसोस की बात है कि एक के बाद एक आने वाली सरकारों का झुकाव रियल एस्टेट मालिकों की तरफ होता चला गया। निस्संदेह, रियल एस्टेट लॉबी की प्राथमिकता अपना आर्थिक हित ही होता है। उनकी प्राथमिकता शहर के अस्तित्व की परवाह करना कदापि नहीं हो सकता। दूसरा पहलू यह भी है कि भूमि मालिकों की मंशा भी इस कीमती जमीन से आर्थिक लाभ कमाना ही होगा। इस समस्या का एक सरल समाधान यह भी हो सकता था कि सरकार ग्रीन बेल्ट की जमीन को खरीद ले। सरकार यदि ईमानदार कोशिश करे तो इस समस्या का कारगर समाधान निकाल पाना संभव हो पायेगा। सरकार की किसी रचनात्मक पहल से ग्रीन बेल्ट का संरक्षण संभव है।

जिससे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संरक्षित किया जा सकता है। निस्संदेह, आबादी के बोझ से दरकते देश के अन्य पहाड़ी शहरों की बदहाली से सत्ताधीशों को सबक लेना चाहिए। उत्तराखंड में जोशीमठ शहर के दरकने का ताजा उदाहरण हमारे सामने है। ग्लोबल वार्मिंग के दौर में पूरे देश के पर्यावरण की रक्षा के लिये हमारी वन संपदा व ग्रीन बेल्ट जैसे इलाकों का संरक्षण अपरिहार्य ही है। निस्संदेह, हरित पट्टी के बचाव की किसी अभिनव पहल से ही शिमला का पहाड़ों की रानी का प्रतिष्ठित दर्जा कायम रह सकेगा। हिमाचल सरकार को इस शहर के भविष्य के लिये अभिनव पहल करनी ही होगी।

Social Media Corner

सच के हक में...

मैं चाहता हूं की जितने भी विपक्षी दल के नेता है सभी मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी से एक सवाल जरूर करें की उनके 18 वर्षों के शासनकाल के बावजूद भी बिहार अब तक पिछड़े राज्यों की श्रेणी में क्यों ?
(चिराग पासवान के ट्विटर एकाउंट से)

हेमंत सोरेन द्वारा सरकार के विभिन्न विभागों में की जा रही नियुक्तियों का स्वागत होना चाहिए. राज्य के युवकों को सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार मिलने का सिलसिला जारी रहना चाहिए. रिक्तियाँ जितना जल्दी भरें उतना अच्छा. आलोचना के स्वर को भी तथ्यों से संतुष्ट करना चाहिए.
(सरयू राय के ट्विटर एकाउंट से)

विपक्षी एकता की बैठक की एक ही उपलब्धि है की अगली बैठक का स्थान तय कर पाये। पटना की ४० डिग्री वाली गर्मी में कुछ निर्णय नहीं हो पाया। शायद हिमाचल की ठण्डी वादियों में राहुल गाँधी लालूजी के प्रस्ताव पर निर्णय लेंगे।
(सुशील मोदी के ट्विटर एकाउंट से)

वैश्विक बाजार में पहुंच बढ़ाता भारत

एसएंडपी ग्लोबल ने विनिर्माण क्रय प्रबंधन सूचकांक (पीएमआइ) के आधार पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की सकारात्मक तस्वीर पेश की है। यह रिपोर्ट इसलिए उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रतिकूलताएं तेजी से बढ़ रही हैं। हर देश महंगाई एवं ऋण के जाल से निकलने के लिए जूझ रहा है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी पीएमआइ रिपोर्ट देश में उद्योगों के लिए अनुकूल आर्थिक माहौल की कहानी कह रही है। इससे पहले विश्व के अधिकांश अनुमानों को गलत साबित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रत्याशित रूप से पिछले वित्तीय वर्ष में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर को हासिल किया। अधिकांश एजेंसियों ने 6 से 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने के ही अनुमान व्यक्त किए थे।

पीएमआइ रिपोर्ट कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले रोजगार, मिलने वाले आर्डर, उत्पादन, स्टाक, डिलिवरी आदि के आधार पर तैयार की जाती है। पीएमआइ के अनुसार भारत का सूचकांक मई में 31 महीनों के उच्चतम स्तर 58.7 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर पीएमआइ की तुलना अमेरिका से की जाए तो यह पिछले तीन वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर पर है। चीन की भी लगभग यही स्थिति है। जबकि अक्टूबर 2020 के बाद से विनिर्माण क्षेत्र में भारत अपने उच्चतम स्तर पर है।

पीएमआइ अधिक होने का तात्पर्य यह है कि भारत के उत्पादों की मांग घरेलू स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रही है। पिछले छह महीनों में नए आर्डर मिलने के परिणामस्वरूप भारतीय निमार्ताओं ने उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री अर्थात निर्यात में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है। इससे न सिर्फ आर्थिक विकास को बल मिला है, बल्कि नौकरियों के अवसर भी बढ़े हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार रोजगार वृद्धि की दर अपने छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। डिजिटल परिवर्तन, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ उसकी रचनात्मकता को भी बढ़ावा दिया है। 2.73 करोड़ से अधिक श्रमिकों को रोजगार देने वाले इस क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन के साथ-साथ निर्मित उत्पादों की श्रृंखला में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। औद्योगिक गलियारों के विकास द्वारा भी सरकार विनिर्माण क्षेत्र को विस्तारित कर राष्ट्र के समग्र विकास में इसकी हिस्सेदारी को बढ़ावा देने में प्रयत्नशील है।

अमेरिका-भारत का तेजी से बढ़ता साझा बाजार निवेशकों के लिए एक बड़े आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में विशेष रूप से मोबाइल फोन, लक्जरी और आटोमोबाइल उद्यम आदि को भारत में स्थापित करने के प्रति विदेशी निवेशकों का रुझान तेजी से बढ़ा है। इंजीनियरिंग, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु आदि उद्यम देश के आर्थिक विकास के एक अभिन्न स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन के अनुसार भारत में 2025 तक लैपटाप और टैबलेट निर्माण क्षमता को 10 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। इस संभावना को भी बल मिलता है कि 2030 तक भारत एक लाख करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में निदेशक पोलीन्ना डी लीमा ने इस पर भी बल दिया है कि मांग आधारित मुद्रास्फीति स्वाभाविक रूप से नकारात्मक नहीं है, पर यह क्रय शक्ति को घटा सकती है, जिसके कारण ब्याज दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने एवं इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास करने होंगे। यह विश्लेषण करने की भी आवश्यकता है कि मेक इन इंडिया, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर बल, प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव, कर की दरों में कमी आदि अनुकूल उपायों के बावजूद यह क्षेत्र आनुपातिक वृद्धि क्यों नहीं कर पा रहा है।

I WANT TO SAY...

पूरा देश जनसंघ के संस्थापक व राष्ट्रवादी नेता डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद कर रहा है। उनके बलिदान दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा। श्रद्धांजलि दी जा रही है। वास्तव में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर व्यक्तित्व के धनी, विचारक व नेता थे। यह अलग बात है कि उनकी कई सोच से लोग असमत थे। उनका विरोध भी हुआ। आज भी उनके विचारों से असहमति जतानेवाले लोग मिल जाते हैं। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि राजनीतिक मतभिन्नता के बावजूद देशभक्ति की भावना और राष्ट्रवाद उनमें कूट-कूटकर भरा था। इसमें असहमति की कोई गुंजाइश नहीं है। उनका व्यक्तित्व हर नागरिक को देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा देता है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया देश हित में अनेक कार्य किए जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हम सभी को उनके जीवन तथा कार्य से प्रेरणा लेनी चाहिए और यह संकल्प लेना चाहिए कि स्वहित से बड़ा देश हित होता है। डॉ मुखर्जी ने सन 1951 में जनसंघ की स्थापना की और दो निशान दो विधान और दो संविधान का खुला विरोध किया काश्मीर की समस्याओं को लेकर बड़े संघर्ष की शुरूआत की। देश की सेवा में अपना जीवन बलिदान किया। दरअसल, कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को ही साकार किया गया है।

शंभू चौधरी, मीडिया प्रभारी झारखंड भाजपा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम घोषित, यशस्वी और मुकेश शामिल

–पुजारा और उमेश बाहर हुए, नवदीप की वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में भी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ही रहेंगे। इससे उन्हें आराम दिये जाने की सभी अटकलों पर विराम लग गया है। बीसीसीआई चयनसमिति ने टीम में दो बदलाव करते हुए हाल में शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है। इन दोनो ने ही घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खराब प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव को टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि तेज गेंदबाज नवदीप सैनी की लंबे समय के बाद टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आराम देने के कारण उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। वहीं शादी के कारण विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मुकाबले से नाम वापस लेने वाले रुतुराज गायकवाड़ को टेस्ट और एकदिवसीय दोनो ही टीमों में शामिल किया गया है। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज दौरे में दो टेस्ट मैचों के साथ ही तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज भी खेलनी है। इसके अलवा टीम पांच टी20 मैच भी खेलेगी। टी20 के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी।

टेस्ट टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, मो. सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, नवदीप सैनी।

एकदिवसीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मो. सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार।

अश्विन ने रोहित और द्रविड़ पर निशाना साधा

–धोनी के समय को याद किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने के बाद से ही काफी नाराज नजर आ रहे हैं। अब अश्विन ने एक साक्षात्कार में कप्तान रोहित शर्मा के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर निशाना साधा है जबकि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को सबसे अलग करार दिया।

इसके बाद अश्विन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके समय में टीम को सफलता इसलिए मिल रही थी क्योंकि चयनित टीम में खिलाड़ियों को स्थान की सुरक्षा का भरोसा था। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसकों से सहानुभूति है, लेकिन कोई खिलाड़ी रातों-रात नहीं बदलता। हममें से बहुत से लोग धोनी के नेतृत्व के बारे में बात करते हैं। उसने क्या किया? उन्होंने चीजों को काफी सरल बनाये रखा। मैंने माही की कप्तानी में कई साल खेला। वह 15 की एक टीम चुनते थे। फिर उन्हीं 15 को अगले स्क्वॉड में में भी मौका देते थे। उनकी एक ही प्लेइंग इलेवन साल भर खेलती थी। इससे खिलाड़ी निडर होकर खेलता था। वहीं इसके अलावा अश्विन ने एशेज के पहले ही टेस्ट में मिली जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने कहा, बधाई ऑस्ट्रेलिया! यह एक जबरदस्त फाइनल था। लाबुशेन लगातार काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे, उसका भी लाभ टीम को मिला।

भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं शिवम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 16वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे अब भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। शिवम ने अब तक भारतीय टीम के लिए एक वनडे और 13 टी20 खेले हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं होने के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था। अब वह एक बार फिर भारतीय टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। शिवम ने कहा, भारत की ओर से फिर से खेलने के लिए में अब सभी विभागों में सुधार करके अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करूंगा। ऐसे में चयनकर्ताओं की नजरें उनपर हो सकती हैं। शिवम अगर अपनी पूरी क्षमता से खेलें तो वह आगामी एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की सफलता में भी शिवम की अहम भूमिका थी। उन्होंने सीएसके की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं थी। शिवम ने अपनी सफलता का श्रेय सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दिया है। उन्होंने कहा, जब माही भाई ने मुझे कहा कि मैं टीम को अपने बल पर मैच जिता सकता हूं तो मुझे बड़ी खुशी हुई। इस बात ने मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ाया था। शिवम ने आईपीएल 2023 में कुल 16 मैच खेलते हुए 37 की औसत से 411 रन बनाए थे। उन्होंने 159 के स्ट्राइक रेट से 3 अर्धशतक भी लगाये थे।

चेन्नई सुपर किंग्स से पहले शिवम ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला था। उन्होंने शुरुआत आरसीबी के साथ की थी पर खराब प्रदर्शन के कारण आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया था। इसके बाद वह आरआर में गए। राजस्थान में भी वह अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे पाए। ऐसे में उन्हें फिर से 2022 में सीएसके ने खरीदा जिसके बाद वह बेहतर होकर सामने आये।

योगेश्वर को बृजभूषण के 'पिछलग्गू' के तौर पर याद किया जाएगा: विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कहा कि कुश्ती जगत योगेश्वर दत्त को भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के 'पिछलग्गू' के रूप में याद रखेगा। इससे पहले लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर ने एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप ट्रायल से उन्हें और पांच अन्य पहलवानों को दी गई छूट पर सवाल उठाया था।

विनेश ने ट्विटर पर लिखा, 'कुश्ती जगत को आपका बृजभूषण के तलवे चाटना हमेशा याद रहेगा। महिला पहलवानों को तोड़ने में इतना जोर मत लगाओ, बहुत पक्के इरादे हैं इनके। ध्यान रखना कहीं ज्यादा जोर लगवाने से कमर न टूट जाए। रीढ़ तो पहले ही बृजभूषण के पैरों में रख चुके हो। तुम बहुत संवेदनहीन इंसान हो। जालिम के हक में खड़े हो, उसकी चापलूसी कर रहे हो।'

एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में कई बार पदक जीत चुकी विनेश ने योगेश्वर की तुलना जयचंद से करते हुए कहा, 'जब तक कुश्ती में योगेश्वर जैसे जयचंद रहेंगे, यकीनन जालिमों के हौसले बुलंद रहेंगे।' इतिहास में कन्नौज के राजा जयचंद को पृथ्वीराज चौहान को हराने के लिए मोहम्मद गौरी के साथ साजिश रचने के लिए याद किया जाता है। विनेश ने इसके साथ ही योगेश्वर पर कई गंभीर आरोप लगाए। योगेश्वर डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने के लिए खेल मंत्रालय द्वारा नियुक्त छह सदस्यीय समिति का हिस्सा थे।

विनेश ने लिखा, 'योगेश्वर दत्त का वीडियो सुना तो उसकी वह घटिया हंसी दिमाग में अटक गई। वह महिला पहलवानों के लिए बनी दोनों समितियों का हिस्सा था। जब समिति के सामने महिला पहलवान अपनी आपबीती बता रही थीं तो वह बहुत घटिया तरह से हंसने लगता। जब दो महिला पहलवान पानी पीने के लिए बाहर आयीं तो बाहर आकर उनको कहने लगा कि बृजभूषण का कुछ नहीं होगा, जाकर अभ्यास करो।'

विनेश ने यह भी आरोप लगाया कि योगेश्वर ने महिला पहलवानों से समझौता करने और बृजभूषण के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए कहा। उन्होंने दावा किया, 'एक दूसरी महिला पहलवान को बड़े भद्दे तरीके से बोला कि ये सब तो चलता रहता है इसको इतना बड़ा मुद्दा मत बनाओ। कुछ चाहिए हो तो मुझे बताओ।' विनेश ने कहा, 'समिति की बैठक के बाद योगेश्वर ने महिला पहलवानों के नाम बृजभूषण और मीडिया में बता दिए। उसने कई महिला पहलवानों के घर फोन करके यह भी कहा कि अपनी लड़की को समझा लो। वह पहले ही सरेआम महिला पहलवानों के खिलाफ बयान दे रहा था, उसके बावजूद उसे दोनों समितियों में रखा गया।'

विनेश ने कहा, 'वह पहलवानों और कोचों को महिला पहलवानों के आंदोलन में शामिल होने से लगातार रोकता रहा। सारा कुश्ती जगत समझ गया था कि योगेश्वर बृजभूषण की थाली का झूठा खा रहा है।' उन्होंने योगेश्वर पर भारतीय सेना के 'जवानों', छात्रों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के बारे में अशोभनीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया। विनेश ने कहा कि योगेश्वर कोई चुनाव नहीं जीत पाए क्योंकि वह गद्दार और 'जहरीला नाग' है। उन्होंने कहा, 'तुम समाज से गद्दारी के कारण ही दो बार चुनाव में औंधे मुंह गिरे हो। मैं दावा करती हूं कि कभी जिंदगी में चुनाव नहीं जीतोगे क्योंकि समाज जहरीले नाग से हमेशा सावधान रहता है और उसे कभी पैर नहीं लगने देता।'

पाक क्रिकेटर शहजाद ने बताया, भारतीय टीम की हार का कारण

लाहौर । भारतीय टीम ने पिछले एक दशक में कोई आईसीसी खिताब नहीं जीता है। उसे इस बार भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डबल्यूटीसी) फाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। हस को लेक पूर्व पाकिस्तान क्रिकेटर अहमद शहजाद ने कहा है कि भारतीय टीम के पास कोई खतरनाक गेंदबाज नहीं है, जिसके कारण उसे अहम मुकाबलों में हार झेलनी पड़ रही है। शहजाद ने कहा कि भारत की टीम में अच्छे गेंदबाज जरुर है पर कोई भी ऐसा नहीं है जो विरोध टीम पर दबाव बना सके और उन्हें डरा सके। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अच्छे गेंदबाज हैं पर कोई भी खतरनाक गेंदबाज नहीं है। शहजाद ने नेट्स में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का सामना करने को याद करते हुए कहा कि उन्होंने नेट्स में कभी भी बल्लेबाजों को चोट पहुंचाने की कोशिश नहीं की। अख्तर के नाम अभी भी क्रिकेट में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है, उन्होंने 2003 में इंग्लैंड के खिलाफ 161.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। शहजाद ने कहा, मुझे अख्तर के अलावा कोई अन्य गेंदबाज याद नहीं आ रहा है। जब मैं टीम में नया था, तो वह पहले से ही टीम में थे। उसके पास 2 महान गुण थे। पहला, उसने नेट्स में कभी भी नो–बॉल नहीं फेंकी।

ईसीबी ने पहले मुझे दिया था कोच बनने का प्रस्ताव : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गत वर्ष उन्हें टीम का कोच बनने का प्रस्ताव दिया था। पोंटिंग के अनुसार उन्होंने कोच पद के प्रस्ताव को इसलिए स्वीकार नहीं किया था क्योंकि वह वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते थे। इसलिए उन्होंने पूर्णकालिक कोच बनने से इंकार कर कर दिया। इसी के बाद न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम को कोच बनाया गया। गौरतलब है कि गत वर्ष एशेज सीरीज में 0–4 से मिली हार के बाद इंग्लैंड की पुरुष टीम में बड़े पैमाने पर बदलाव किया गया था। इसी के तहत क्रिस सिल्वरवुड की जगह मैकुलम और मैथ्यू मॉट को टेस्ट और सीमित ओवरों की टीम का कोच बनाया गया। वहीं टीम के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स को बाहर कर दिया गया था। पोंटिंग ने कहा कि तब इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नए निदेशक रोबर्ट की ने उनसे संपर्क किया था। उन्होंने उस समय पूर्णकालिक कोच बनने के प्रस्ताव से इंकार कर दिया था क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहते थे। पोंटिंग ने कहा, ''मैं अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ पूर्णकालिक कोच की भूमिका निभाने के लिए तैयार नहीं हूं क्योंकि मेरे बच्चे अभी छोटे है और मैं उनसे ज्यादा समय तक दूर नहीं रहना चाहता हूं। पोंटिंग अभी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हैं।

महिला एशिज के एकमात्र टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की धमाकेदार बल्लेबाजी, सात विकेट पर 328 रन बनाये

ट्रेंट ब्रिज (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ जारी महिला एशेज क्रिकेट के एकमात्र टेस्ट मैच में टॉस जीतकर अच्छी शुरुआत की है। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 328 रन बना लिए थे। पहले दिन के खेल का आकर्षण एलिसा पेरी की बल्लेबाजी रही हालांकि वह केवल एक रन से अपना शतक नहीं लगा पायी। पेरी 99 रनों के निजी स्कोर पर लॉरेन फिलर के हाथों कैच हो गयी। पेरी के अलावा ताहिला मैकग्रा ने 61 जबकि एश्ले गार्डनर ने 30 रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय क्रीज पर एनाबेल सुदरलैंड 39 और एलाना किंग 7 रनों पर खेल रहीं थीं।

इससे पहले बेथ मूनी और लिचफील्ड ने पारी की शुरुआत की। मूनी ने 57 गेंदों में 33 जबकि लिचफील्ड ने 23 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर आई पेरी ने ताहिला के साथ स्कोर को आगे बढ़ाना जारी रखा। मैकग्रा ने 83 गेंदों में 61 रन बनाये। वहीं कप्तान एलिसा हेली विफल रही और शून्य पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद भी पेरी एक छोर संभाले रहीं। पेरी ने गार्डनर के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाना जारी रखा। गार्डनर ने 76 गेंदों में 40 जबकि एनाबेल ने 71 गेंदों में 39 रन बनाए।

आनंद, यिफान ने 'गंगाज ग्रैंडमास्टर्स' को 'चिंगारी गल्फ टाइटंस' पर बड़ी जीत दिलाई

दुबई। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और होउ यिफान के शानदार खेल से 'गांगाज ग्रैंडमास्टर्स' ' 'ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल)' में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। 'गांगाज ग्रैंडमास्टर्स' ने गुरुवार रात यहां 'चिंगारी गल्फ टाइटंस' को 10–4 से हराया। दिन के एक अन्य मुकाबले में 'अपग्रेड मुंबा मास्टर्स' ने 'त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स' पर 8–7 से रोमांचक जीत दर्ज की। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए सफेद मोहरों से खेलने का फायदा उठाया और 2021 विश्व कप विजेता जान–क्रिस्तोफ डूडा को शिकस्त दी। शतरंज में पहली बार है जब पूरी टीम के मोहरों का फैसला टॉस से हुआ। इस प्रतियोगिता में सफेद मोहरों से जीत दर्ज करने पर तीन जबकि काले मोहरों से जीत दर्ज करने पर चार अंक मिलते है। आनंद की जीत के बाद चार बार की महिला विश्व चैंपियन चीन की यिफान एक अन्य पूर्व महिला विश्व चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक को रोमांचक मुकाबले में हराकर टीम को दूसरी सफलता दिलायी। टीम के अन्य चार खिलाड़ियों के मुकाबले ड्रॉ रहे। इस दमदार प्रदर्शन के बाद आनंद ने कहा, '' टीम ने अच्छी शुरुआत की। यह नयी परिस्थितियों में खेले जाने वाला शतरंज का मुकाबला है। हम सभी यह देखने के लिए उत्सुक थे कि क्या होगा और यह कैसे होगा। यह अब तक रोमांचक साबित हुआ है।' टॉस गंवा कर काले मोहरों से खेलने के बावजूद मुंबा मास्टर्स ने रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक की जीत के दम पर 'त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स' के खिलाफ एक अंक से जीत हासिल की।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पर एक मैच का प्रतिबंध, कुवैत के खिलाफ करेंगे वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक सैफ चैम्पियनशिप में एक मैच के प्रतिबंध के बाद मंगलवार को कुवैत के खिलाफ मैच में 'डगआउट' में दिखायी देंगे। सैफ चैम्पियनशिप के शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में स्टिमक को लाल कार्ड दिखाया गया था जिससे उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा था।

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) के महासचिव अनवारुल हक ने पीटीआई को कहा कि स्टिमक का अपराध इतना गंभीर नहीं था कि उन पर एक मैच से ज्यादा का प्रतिबंध लगे और इसे आगे की कार्रवाई के लिए सैफ की अनुशासनात्मक समिति को नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने गुरुवार को ढाका से कहा, 'उन पर (स्टिमक) एक मैच का प्रतिबंध लगेगा, इससे ज्यादा नहीं।' उन्होंने कहा कि रैफरी और मैच आयुक्त की रिपोर्ट में मैच के दौरान हुई इस घटना का जिक्र किया था जिसमें स्टिमक को खेल के मैदान से बाहर कर दिया गया था लेकिन इसे सैफ अनुशासनात्मक समिति के पास नहीं भेजा जायेगा। हक ने कहा, 'यह (उल्लंघन) इतना गंभीर नहीं था कि इसे अनुशासनात्मक समिति को (कड़ी सजा के लिए) भेजा जाए।' किसी खिलाड़ी या कोच को लाल कार्ड दिखाने से आमतौर पर एक मैच का प्रतिबंध लगाता है लेकिन उल्लंघन गंभीर हो तो इसमें सजा चार मैच के निलंबन तक पहुंच सकती है।

शिखर धवन समेत इन 2 क्रिकेटरों का करियर हुआ लगभग खत्म

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) अब नई टीम तैयार करने के लिए जुटा हुआ है। फिलहाल भारतीय टीम में कई सीनियर बल्लेबाज हैं जिनकी उम्र अब चिंता का विषय बनी हुई है। यानी कि वह करियर के अंतिम पड़ाव पर खड़े हैं। बीसीसीआई ने विंडीज दौरे के लिए टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया। इसी के साथ अब यह भी साफहो गया कि आखिर टीम मैनेजमेंट अब किसी दिशा की ओर आगे बढ़ने जा रही है। दौरे पर नए सितारों पर मौका दिया गया तो वहीं कुछ सीनियर खिलाड़ियों को बाहर किया गया, जिसमें शिखर धवन भी शामिल हैं। अब धवन समेत 2 अन्य ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टीम से बाहर हो गए। साथ ही अब इनका क्रिकेटर करियर भी लगभग खत्म होता नजर आ रहा है। कौन हैं वो क्रिकेटर्स आइए जानें-

शिखर धवन (उम्र 37 साल)

'गब्बर' नाम से मशहूर शिखर धवन के लिए आखिरी दो साल सही नहीं गुजरे। उनकी जगह पर शुभमन गिल पिछले दो सालों से कब्जा करके बैठे हुए हैं, साथ ही दमदार खेल दिखाकर अपनी दावेदारी पक्की कर चुके हैं। वहीं 37 साल के हो चुके धवन की टीम में एंट्री तब होती दिख, जब बीसीसीआई युवाओं के साथ टीम बी तैयार करता दिखा। धवन की कप्तानी में टीम बी दौरे करती दिखी, लेकिन इस ओपनर की सीनियर टीम में वापसी नहीं हो पाई। धवन ने आखिरी वनडे 10 दिसंबर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ खेला था, इसके बाद उनकी टीम में वापसी नहीं हो पाई। बीसीसीआई की योजनाओं से साफहै कि वो अब नए सितारों के साथ आगे बढ़ रही है। धवन ने 167 मैचों में 17 शतक की मदद से 6793 रन बनाए।

चेतेश्वर पुजारा (उम्र 35 साल)

भरोसेमंद बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब टीम के भरोसे सही नहीं उतर पा रहे हैं। पुजारा सिर्फ टेस्ट फॉर्मेट में एक्टिव हैं, लेकिन अब यहां भी उनका जादू नहीं चल रहा। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह पहली पारी में 14 तो दूसरी में 27 रन बनाकर चलते बने। पुजारा ने इस साल 8 टेस्ट पारियों में एक भी शतक नहीं जमाया। वह 25.86 की एवरेज से सिर्फ 181 रन ही बना सके। यही कारण है कि उन्हें विंडीज दौरे पर दो टेस्ट मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है। अब उनकी जगह यशस्वी जयसवाल को चांस दिया गया है। ऐसे में अब पुजारा का करियर अब लगभग खत्म होता नजर आ रहा है। पुजारा ने 103 टेस्ट मैचों में 43.61 की एवरेज से 7195 रन बनाए।

भुवेश्वर कुमार (उम्र 33 साल)

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का क्रिकेट करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से साल 2018 से ही दूरी बना ली थी। भुवनेश्वर सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम के लिए अहम गेंदबाज रहे, लेकिन पिछले कुछ सालों से उनकी चमक फीकी पड़ती नजर आई। भुवनेश्वर को विंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह ना मिलना यह संकेत देता है कि अब उनको धीरे-धीरे हटाने का प्लान बन गया है। भुवनेश्वर ने आखिरी वनडे 21 जनवरी, 2022 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इसके बाद मोहम्मद सिराज की एंट्री ने इनका पत्ता काट दिया। वहीं भुवनेश्वर आखिरी टी20 भी नवंबर 2022 में खेलते नजर आए थे।

आईओसी ने आईबीए की मान्यता रद्द की लेकिन पेरिस खेलों में मुक्केबाजी बरकरार

जिनेवा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सलाह और दिशानिर्देशों की अनदेखी के कारण वर्षों से चले आ रहे विवाद के बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) को ओलंपिक परिवार से बाहर कर दिया। मुक्केबाजी हालांकि 2024 पेरिस खेलों में ओलंपिक खेल के रूप में अपना दर्जा बरकरार रखेगी। आईओसी ने विशेष रूप से बुलाई गई बैठक में आईबीए की मान्यता रद्द करने के लिए मतदान किया। यह परिणाम तय था क्योंकि दो सप्ताह पहले आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता वाले कार्यकारी बोर्ड ने इसकी सिफारिश की थी। मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 69 जबकि विरोध में एक वोट पड़ा। वोटिंग से 10 सदस्य अनुपस्थित रहे। बदलाव लाने के लिए बाध्य करने के प्रयास के तहत चार साल पहले आईओसी के आईबीए को निलंबित करने के बावजूद मुक्केबाजी पर कभी ओलंपिक से बाहर होने का खतरा नहीं था। बाक ने ऑनलाइन बैठक के दौरान आईओसी सदस्यों से कहा, ''हम मुक्केबाजी के खेल को बहुत महत्व देते हैं। आईबीए के संचालन के तरीके के कारण हमें उनके साथ बेहद गंभीर समस्या है।'' यह विवाद आईबीए के उज्बेकिस्तान और रूस के अध्यक्षों के तहत प्रबंधन पर केंद्रित था जिन्हें आईओसी ने अस्वीकार कर दिया था। इसके अलावा महासंघ के वित्त को रूस की सार्वजनिक ऊर्जा कंपनी गजप्रोम द्वारा समर्थित किया गया था और साथ ही मुकाबलों और जजों की ईमानदारी भी विवाद का कारण थी। बाक ने कहा, ''मुक्केबाज पूरी तरह से ईमानदार और पारदर्शिता वाले अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अंतर्गत खेलने के हकदार हैं।'' आईओसी पहले से ही आईबीए की भागीदारी के बिना पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं की देखरेख कर रही है जैसा कि उसने 2021 में तोक्यो खेलों के लिए किया था।

फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू में अक्षय निभा रहे मुख्य भूमिका

वास्तविक घटना पर आधारित है है फिल्म

बालीवुड फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। एक्टर अक्षय कुमार की प्रमुख भूमिका वाली यह फिल्म अब 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और अजय कपूर ने किया है जबकि इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है। मालूम हो कि वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल एक दिन बाद 6 अक्टूबर को रिलीज होगी लेकिन वह फिल्म सीधे ओटीटी पर आएगी। टीनू सुरेश देसाई की आखिरी फिल्म रुस्तम (2016) में भी अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वास्तविक घटना पर आधारित है है फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अधिकारी स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की वास्तविक घटना पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। निर्माताओं ने इसे यॉर्कशायर में पिछले साल शूट किया है। फिल्म में अक्षय गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे, जबकि इसमें परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में हैं। 5 अक्टूबर को रिलीज की तारीख के रूप में चुनकर, निर्माताओं ने यह सुनिश्चित किया है कि द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू को कम से कम अब तक एक एकल रिलीज मिलेगी, क्योंकि उस दिन कोई अन्य बॉलीवुड फिल्म रिलीज होने की उम्मीद नहीं है।

रॉकी और रानी में धर्मेंद्र, शबाना और जया भी नजर आयेंगे

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। रणवीर और आलिया के अलावा फिल्म में धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन सहित फिल्म जगत के दिग्गज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। करण जौहर मौजूदा वक्त में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अहम मुख्य भूमिकाओं में हैं।बीते दिनों जब निर्माता करण जौहर का जन्मदिन था, तब उन्होंने इस खास मौके पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला लुक साझा किया था। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का अवतार बहुत प्यारा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री का इंतजार है।इस फिल्म में करण ने 7 साल बाद निर्देशन की कमान संभाली है। पिछली बार उन्होंने 2016 की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल का निर्देशन किया था।यह फिल्म 28 जुलाई को दर्शकों के बीच आएगी। यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, साथ ही इसमें कॉमेडी और रोमांस का भी तड़का है। बीते दिनों जब निर्माता करण जौहर का जन्मदिन था, तब उन्होंने इस खास मौके पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला लुक साझा किया था। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का अवतार बहुत प्यारा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री का इंतजार है।

फलक बिग बॉस ओटीटी 2 के घर की कप्तान बनी

फलक नाज बिग बॉस ओटीटी 2 के घर की पहली कप्तान बन गई हैं। फलक टीवी एक्ट्रेस और शीजान खान की बहन है। कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो के लेटेस्ट एपिसोड में कैप्टेंसी टास्क हुआ। कैप्टन चुनने का काम कैप्टन मेकर्स अभिषेक मल्हान और साइरस ब्रोचा को दिया गया। अभिषेक ने आकांक्षा पुरी का नाम लिया, जबकि साइरस ने कप्तानी के उम्मीदवार के रूप में फलक का समर्थन किया। इस बात को लेकर घरवालों के बीच तीखी बहस हुई। फलक जीत गयी और उन्हें बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 हाउस का पहला कप्तान घोषित किया गया। वहीं, घर से बेघर होने के लिए जिया शंकर, पलक पुर्सवानी और अविनाश सचदेव नॉमिनेट हैं।

सत्यप्रेम की कथा के गाने सुन सजनी में कार्तिक और कियारा गरबा बीट्स पर झूमते आए

सत्यप्रेम की कथा का सुन सजनी गाना हुआ रिलीज, डांस नंबर में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की जबरदस्त केमेस्ट्री आई नजर आई। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की ब्लॉकबस्टर जोड़ी ने अपने लेटेस्ट ट्रैक सुन सजनी के साथ एक बार फिर अपना जादू बिखेरा है। ये गाना आज रिलीज हुआ है। लेकिन टीजर से गाने की झलक पाकर फैन्स पहले ही सुपर-एक्साइटेड हो गए थे। सत्यप्रेम की कथा प्योर रोमाटिंक फिल्म है जिसकी खुमारी हर तरफ छाई हुई है। ऐसे में जहां दर्शक फिल्म के सुपर रोमांटिक गानों में सराबोर हो चुके है, वहीं मेकर्स इसे अगले स्तर तक बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। और सुन सजनी गाने के साथ उन्होंने सभी को गरबा बीट्स पर झूमने के लिए मजबूर किया हैं।

हाल में रिलीज हुए इस गाने के टीजर में एक भव्य गरबा उत्सव गीत की झलक मिली थी। ग्रैंड सेलिब्रेशन विजुअल्स, रंगीन कैनवास, और धमाकेदार गरबा बीट्स के साथ अच्छी तरह से सजाया गया, सुन सजनी एक ऐसा गीत है जो वास्तव में लोगों के दिलों पर राज करेगा। इस गाने में कार्तिक आर्यन को पहली बार गुजराती अवतार में डांस फ्लोर पर धूम मचाते देखा जा सकता हैं। कार्तिक के साथ कियारा भी गरबा करते हुए दिखाई दे रही हैं और गाने में दोनों की सिजलिंग केमिस्ट्री को कोई भी मिस नहीं कर सकता है।

सुन सजनी को मीत ब्रदर्स, परंपरा टंडन और पीयूष मेहरोलिया ने गाया हैं। वहीं इस गाने का म्यूजिक मीत ब्रदर्स ने दिया हैं और गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं।

इसके अलावा फिल्म से रिलीज हुए नसीब से और आज के बाद और गुज्जू पटाका गानें पहले से ही दर्शकों की प्ले लिस्ट का हिस्सा बन चुके है। अब इस लिस्ट में लेटेस्ट ट्रैक सुन सजनी भी शुमार हो गया है।

सत्यप्रेम की कथा एनजीई और नम: पिक्चर्स के बीच बड़े पैमाने पर सहयोग का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि साजिद नाडियाडवाला और शरीन मंत्री केडिया ने किशोर अरोड़ा और निर्देशक समीर विद्वांस के साथ अपनी अपनी फीचर फिल्मों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता हैं। सत्यप्रेम की कथा 29 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब सूर्या भी बॉलीवुड में उतरेंगे

दक्षिण भारत के सितारों जूनियर एनटीआर, रामचरण, रवि तेजा, थलापति विजय, मेगा स्टार चिरंजीवी आदि की फिल्में हिन्दी में आईं और सफल रही हैं। अब दक्षिण के सुपर सितारों में शामिल अभिनेता सूर्या भी हिन्दी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि सूर्या को लेकर निर्माता निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा महाभारत पर आधारित फिल्म कर्ण का निर्माण करने जा रहे हैं। सूर्या इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की शूटिंग में व्यस्त हैं। फैंस को इस पीरियड ड्रामा फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंग दे बसंती और भाग मिल्खा भाग जैसी फिल्में बना चुके राकेश ओम प्रकाश मेहरा की फिल्म कर्ण को लेकर अभिनेता से बातचीत चल रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक राकेश और सूर्या के बीच कुछ समय से कर्ण पर चर्चा चल रही है।

दावे के मुताबिक दोनों के बीच प्रोजेक्ट को लेकर बात सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि सूर्या भी दो भाग वाले इस महाकाव्य का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।सूत्र के अनुसार यह फिल्म महाभारत पर आधारित होगी, जिसमें सूर्या लीड रोल निभाते हुए दिखेंगे। इस फिल्म को पैन इंडिया लेवल पर बनाया जाएगा, साथ ही इसे कई भाषाओं में रिलीज करने की भी तैयारी है। माना जा रहा है कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो फिल्म की शूटिंग 2024 में शुरू हो सकती है। गौरतलब है कि सूर्या मौजूदा समय में निर्देशक सिरुथा शिवा के साथ कंगुवा पर काम कर रहे हैं।

इसका अगला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है। मेगा-बजट फिल्म की भव्य रिलीज की योजना है। इस फिल्म की शूटिंग 2023 के अंत तक पूरी होने की संभावना है।

नाच-नाच कर ब्रेकअप की खुशी मना रही राखी

ड्रामा क्वीन के नाम से मशहूर राखी सावंत अब अपने ब्रेकअप को लेकर काफी खुश है। वह नाच-नाच कर ब्रेकअप की खुशी मनाती नजर आई। राखी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। विरल भयानी ने राखी सावंत का ये वीडियो इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में राखी लाल रंग का लहंगा पहने दुल्हन की तरह सजकर ढोल नगाड़ो पर खूब भंगड़ा करती नजर आ रही हैं और कहती हैं- ये मेरा फाइनली ब्रेकअप हो रहा है, मेरा डिवोर्स हो रहा है और ये मेरी ब्रेकअप पार्टी है। लोग उदास होते हैं लेकिन मैं खुश हूं...चलो शुरु करो। इस दौरान राखी काफी खुश और एक्साइटड लग रही है। यूजर्स ड्रामा क्वीन के इस वीडियो पर खूब रिएक्ट कर रहे हैं। बता दें कि राखी अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उनकी पति आदिल खान दुर्रानी संग काफी समय से विवाद चल रहा था और उन्होंने इस मामले में आदिल को कोर्ट कचहरी तक घसीटा। अब फाइनली राखी का आदिल खान से तलाक हो रहा है।